दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जिस व्यक्ति ने कभी कोई गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-208 | झुंझुनूं (राजस्थान) | रविवार, 21 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

विश्व को स्वस्थ और शांतिपूर्ण भविष्य की दिशा दिखा रहा योग

प्रति वर्ष 21 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण मानवता को स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करने वाला एक वैश्विक अभियान बन चुका है। भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर योग आज विश्व के लगभग हर देश में अपनाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किए जाने के बाद से इसकी लोकप्रियता में निरंतर वृद्धि हुई है। यह भारत की उस महान परंपरा का सम्मान है जिसने हजारों वर्षों पूर्व शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का अद्भुत विज्ञान दुनिया को प्रदान किया था। योग का शाब्दिक अर्थ है 'जोड़ना' या 'एकता स्थापित करना'। यह केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है। योग व्यक्ति के शरीर, मन और आत्मा को एक सूत्र में बांधकर उसे स्वस्थ, शांत और संतुलित जीवन की ओर अग्रसर करता है। आज जब पूरी दुनिया आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों से जूझ रही है, तब योग एक प्रभावी समाधान के रूप में उभरकर सामने आया है।

वर्तमान समय भागदौड़, प्रतिस्पर्धा, तनाव और अनियमित दिनचर्या का समय है। तकनीकी विकास ने जहां जीवन को सुविधाजनक बनाया है, वहीं मानसिक तनाव, चिंता, अवसाद और अनेक शारीरिक रोगों को भी बढ़ावा दिया है। हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और मानसिक विकार जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे दौर में योग एक सरल, सुलभ, सुरक्षित और कम खर्चीला उपाय प्रदान करता है। नियमित योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक शांति और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। योग की विशेषता यह है कि इसे किसी भी आयु का व्यक्ति आसानी से अपना सकता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी के लिए योग लाभदायक है। यह शरीर की लचक बढ़ाता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करता है, रक्त संचार को बेहतर बनाता है तथा श्वसन प्रणाली को सुदृढ़ करता है। प्राणायाम और ध्यान मन को एकाग्र करने तथा तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि आज दुनिया भर के चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी योग को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान पूरी दुनिया ने योग की उपयोगिता को और अधिक गहराई से महसूस किया। जब लोग लंबे समय तक घरों में सीमित रहे और मानसिक तनाव लगातार बढ़ता गया, तब योग और ध्यान ने लाखों लोगों को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। महामारी के कठिन दौर में योग ने लोगों को सकारात्मक सोच, आत्मनियंत्रण और मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायता की। इसके बाद विश्व स्तर पर योग के प्रति लोगों की रुचि और अधिक बढ़ी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और दवाइयों पर निर्भर नहीं होना चाहिए। यदि व्यक्ति अपनी दिनचर्या में नियमित योग, प्राणायाम और ध्यान को शामिल कर ले तो अनेक बीमारियों से बचाव संभव है। आज स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार बढ़ता आर्थिक बोझ सरकारों और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय है। योग एक ऐसा माध्यम है जो रोगों की रोकथाम में सहायता कर सकता है और स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च को कम कर सकता है। योग केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का साधन नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और वैश्विक शांति का भी माध्यम है। योग व्यक्ति को आत्म-अनुशासन, संयम, धैर्य और सहिष्णुता की शिक्षा देता है। जब व्यक्ति स्वयं के भीतर शांति का अनुभव करता है तो उसका व्यवहार भी सकारात्मक और संतुलित होता है। ऐसे व्यक्तियों से निर्मित समाज अधिक शांतिपूर्ण, सहयोगी और सौहार्दपूर्ण बनता है। यही कारण है कि योग को 'विश्व कल्याण का मार्ग' कहा जाता है। आज विश्व के अनेक देशों में योग को विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सैन्य संस्थानों, कॉर्पोरेट कार्यालयों और सामुदायिक केंद्रों में अपनाया जा रहा है। लाखों लोग प्रतिदिन योगाभ्यास कर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति और आध्यात्मिक विरासत का ऐसा उदाहरण है जिसने सीमाओं और भाषाओं की बाधाओं को पार कर पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। योग ने भारत की वैश्विक पहचान को और अधिक मजबूत किया है तथा देश की सांस्कृतिक कूटनीति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

विशेष रूप से युवाओं के लिए योग का महत्व अत्यधिक बढ़ जाता है। आज की युवा पीढ़ी डिजिटल जीवनशैली, सोशल मीडिया के दबाव और करियर संबंधी चुनौतियों से घिरी हुई है। ऐसे में योग उन्हें मानसिक मजबूती, एकाग्रता, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। यदि युवाओं को प्रारंभिक स्तर से ही योग के वैज्ञानिक और व्यावहारिक लाभों से परिचित कराया जाए तो वे अधिक स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि योग दिवस को केवल एक दिन के उत्सव तक सीमित न रखा जाए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी संस्थानों, निजी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं में नियमित योग कार्यक्रम संचालित किए जाने चाहिए। परिवारों में भी योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की पहल होनी चाहिए। यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय योग और ध्यान को दे तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर दिखाई देगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन ही वास्तविक समृद्धि का आधार हैं। आर्थिक विकास और भौतिक सुख-सुविधाएं तभी सार्थक हैं जब व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हो। योग हमें इसी संतुलन का मार्ग दिखाता है। यह केवल व्यायाम नहीं बल्कि जीवन को बेहतर बनाने की एक संपूर्ण जीवनशैली है। निस्संदेह, योग भारत की वह अमूल्य देन है जो आज संपूर्ण विश्व को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण भविष्य की दिशा दिखा रही है।

राजस्थान बोर्ड के नए अध्यक्ष बने हनुमान सिंह राठौड़

7 साल पहले प्रिंसिपल पद से लिया था वीआरएस

4 साल से खाली थी पोस्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज

अजमेर । राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को 4 साल बाद नया चेयरमैन मिला है। हनुमान सिंह राठौड़ को नया बोर्ड अध्यक्ष बनाया गया है। शिक्षा विभाग ने शनिवार को अधिसूचना जारी की। इनका कार्यकाल तीन साल के लिए होगा। हनुमान सिंह राठौड़ सोमवार को पदभार ग्रहण करेंगे। हनुमान सिंह राठौड़ अजमेर जिले के पीसांगन के रहने वाले हैं। वर्तमान में शहर के भुनाबाई क्षेत्र में रहते हैं। सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल थे। रिटायर्ड होने से करीब सवा साल पहले 2019 में वीआरएस ले लिया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (रस्स) में विभिन्न पदों पर रह चुके हैं।

राठौड़ बोले- परीक्षा का सुचारू संचालन पहली प्राथमिकता होगी

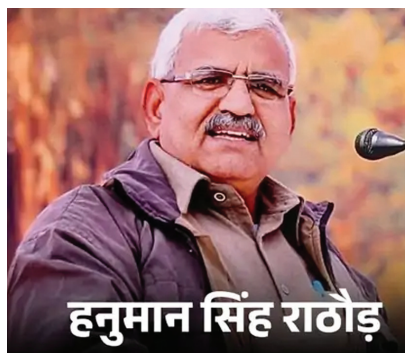

हनुमान सिंह राठौड़ ने कहा -बच्चों और शिक्षकों का उन्नयन और परीक्षा का सुचारू संचालन पहली प्राथमिकता होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में जो नई चीजें जुड़ी हैं, उनका सफल क्रियान्वयन

किया जाएगा। शिक्षा में परीक्षा परिणाम अच्छा रहने के साथ गुणवत्ता भी जरूरी है। इसके लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। चुनौती तो हर काम में होती है। पद एक जिम्मेदारी है और जीवन भर शिक्षा से जुड़ा रहा। इसलिए बोर्ड के कामकाज से भली भांति परिचित हूं।

4 साल से खाली पड़ा था पद

REET पेपर लीक मामले को लेकर जनवरी 2022 में सरकार ने बोर्ड के अध्यक्ष डी.पी. जारोली को बर्खास्त कर दिया था। उसके बाद से बोर्ड चेयरमैन के पद पर कोई नियुक्ति नहीं की गई।

131 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी

स्हृत्र ने REET पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी रामकृपाल मीणा और प्रदीप पाराशर सहित 131 आरोपियों को अरेस्ट किया था। रामकृपाल की गिरफ्तारी के बाद SOG ने ED को कार्रवाई के लिए फाइल भेजी थी। ईडी ने सितम्बर 2024 में रामकृपाल और प्रदीप पाराशर के चार बैंक खातों को फ्रीज किए थे।

राष्ट्रीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में डालमिया विद्या मंदिर ने जीता कांस्य पदक

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

रुद्रपुर (उत्तराखंड) में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्री सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में डालमिया विद्या मंदिर, चिड़ावा की अंडर-15 फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) अपने नाम किया। टीम की इस उपलब्धि से वेस्ट जोन (राजस्थान, गुजरात एवं मध्य प्रदेश) के साथ-साथ विद्यालय और क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ। 13 जून 2026 को टीम ने आर.बी.एस.एम पब्लिक स्कूल, गुरुग्राम के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन करते हुए 9-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। 14 जून 2026 को श्री गुरुमुखी विद्याश्रम, तमिलनाडु के विरुद्ध टीम को 1-0 का वॉकओवर प्राप्त हुआ। सेमीफाइनल मुकाबले में 14 जून 2026 को डालमिया विद्या मंदिर का सामना रुद्रपुर की अमेनिटी स्कूल से हुआ। इस मैच में टीम को 6-0 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर टीम ने प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया। 16 जून 2026 की शाम आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में खिलाड़ियों को कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।विद्यालय के प्राचार्य शक्ति सिंह, प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप कुल्हार एवं प्रधानाध्यापिका नमिता चौधरी ने टीम की इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों, कोच अमित कुमार, टीम मैनेजर अनिल कुल्हार तथा पी.टी.आई राजेश सैनी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार एवं क्षेत्रवासियों ने खिलाड़ियों की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि टीम ने राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन एवं प्रतिभा का परिचय देकर विद्यालय, चिड़ावा तथा राजस्थान का गौरव बढ़ाया है।

निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज का विधायक राजेंद्र भाम्बू ने किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित '12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भाम्बू ने शुक्रवार को झुंझुनूं पुलिस लाइन के समीप लेवल क्रॉसिंग संख्या 265 (एलसी-265) पर निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने आरएसआरडीसी विभाग के अधिकारियों से परियोजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश

दिए कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। विधायक भाम्बू ने कहा कि यह आरओबी झुंझुनूं शहर एवं आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसके पूर्ण होने पर रेल फाटक पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी, यातायात सुगम होगा तथा लोगों के समय और ईंधन की बचत होगी। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और सुरक्षा मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। इस दौरान आरएसआरडीसी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता, ठेकेदार प्रतिनिधि तथा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

बीडीके अस्पताल में जेके फाउंडेशन का रक्तदान शिविर, 18 यूनिट रक्त संग्रहित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले के सबसे बड़े राजकीय भगवान दास खेतान (बीडीके) अस्पताल में जेके फाउंडेशन के संस्थापक स्वर्गीय हरि शंकर सिंघानिया की 93वीं जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 18 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ अस्पताल के पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने किया। इस अवसर पर ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. राकेश कुमार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त कई मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकता है। उन्होंने नियमित रक्तदान को सामाजिक दायित्व बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत कार्य से जुड़ने का आह्वान किया। डॉ. राकेश कुमार ने जेके फाउंडेशन के झुंझुनूं से जुड़े सामाजिक सरोकारों की सराहना करते हुए अस्पताल में मरीजों के हित में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत विभिन्न गतिविधियां संचालित करने की अपील भी की। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान कुल 18 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।कार्यक्रम में आरएमओ डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, डॉ. विजय झाझड़िया, जेके लक्ष्मी सीमेंट के आकाश शर्मा,

महिपाल सिंह, प्रवीण गुप्ता, गौरव गुप्ता सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके योगदान की सराहना की। रक्तदान शिविर के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ, जिसकी अस्पताल प्रशासन ने प्रशंसा की।

हुकटा ने यूनिवर्सिटी के अनुबंधित शिक्षकों की जॉब सिक्योरिटी विधेयक को शीघ्र मंजूरी देकर विधानसभा में कानून बनाने की मांग

विधानसभा शिक्षा समिति के चेयरपर्सन लक्ष्मण यादव के समक्ष उठाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

इंदिरा गाँधी यूनिवर्सिटी, मीरपुर, रेवाड़ी में विधानसभा शिक्षा समिति, चंडीगढ़ के चेयरपर्सन लक्ष्मण यादव व सदस्यगण विधायक हरिंदर सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार, रणधीर पनिहार, एवं बलराम दांगी को हरियाणा यूनिवर्सिटीज कॉन्ट्रैक्चुअल टीचर्स एसोसिएशन (हुकटा) के प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कार्यरत अनुबंधित सहायक प्राध्यापकों एवं शिक्षकों को सेवा-सुरक्षा प्रदान करने हेतु प्रस्तावित 'हरियाणा विश्वविद्यालय अनुबंधित शिक्षक सेवा-सुरक्षा (जॉब सिक्योरिटी) विधेयक' के ड्राफ्ट को शीघ्र अनुमोदित कर आगामी मंत्रिमंडल (कैबिनेट) एवं विधानसभा मानसून सत्र से पारित कर अधिनियम के रूप में लागू करने की मांग की।

ज्ञापन प्राप्त करने के उपरांत विधानसभा शिक्षा समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण यादव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में लंबे समय से सेवाएं दे रहे अनुबंधित शिक्षकों की मांग न्यायोचित है। उन्होंने कहा कि वे इस विषय में माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी एवं संबंधित उच्च अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा करेंगे तथा जॉब सिक्योरिटी संबंधी फाइल को शीघ्र स्वीकृति दिलवाने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि प्रस्तावित विधेयक को आगामी मानसून विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किया जाए तथा इस विषय में होने वाली प्रगति से वे स्वयं हुकटा नेतृत्व को अवगत कराते रहेंगे।

हुकटा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार

मलिक एवं कानून सलाहकार डॉ संदीप यादव ने सयुंक्त बयान में बताया कि माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों में कार्यरत अनुबंधित शिक्षकों को सेवा-सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से जॉब सिक्योरिटी विधेयक का प्रारूप तैयार करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि वर्षों से विश्वविद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे पात्र एवं चयनित लगभग 1400 अनुबंधित शिक्षक प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ऐसे में उनके भविष्य को सुरक्षित करना न केवल न्यायसंगत है, बल्कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता एवं स्थिरता के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। डॉ. मलिक व डॉ यादव ने कहा कि सेवा-सुरक्षा कानून लागू होने से अनुबंधित शिक्षकों में आत्मविश्वास बढ़ेगा तथा वे और अधिक समर्पण एवं निष्ठा के साथ विद्यार्थियों और प्रदेश की उच्च शिक्षा के विकास में अपना योगदान दे सकेंगे। इस अवसर पर हुकटा के प्रतिनिधिमंडल में आई जी यू मीरपुर रिवाड़ी की एसोसिएशन की अध्यक्ष कर्मवती यादव, डॉ. अजय यादव, डॉ. पूजा यादव, डॉ. मनीष, डॉ. पवन, डॉ. सुनीता, डॉ. सुनीता एवं डॉ रचना एवं डॉ दीक्षा सहित अनेक अनुबंधित शिक्षक उपस्थित रहें।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े 23 जून को पचलंगी आएंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े 23 जून को झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी क्षेत्र के पचलंगी गांव के दौरे पर आएंगे। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग के अनुसार राज्यपाल अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को प्रातः 10 बजे जयपुर स्थित राजभवन से सड़क मार्ग द्वारा रवाना होकर सुबह 11:30 बजे पचलंगी पहुंचेंगे। यहां बालाजी धाम झाड़ाया, पचलंगी में श्रीराम महायज्ञ सेवा समिति द्वारा आयोजित समारोह में भाग लेंगे। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल दोपहर 12:30 बजे जयपुर के लिए रवाना होंगे तथा दोपहर 2 बजे राजभवन पहुंचेंगे।

मेघवाल समाज छात्रावास शिक्षण संस्थान की कार्यकारिणी बैठक 5 जुलाई को

भीम प्रज्ञा न्यूज.पाली।

मेघवाल समाज छात्रावास शिक्षण संस्थान, पाली की कार्यकारिणी सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक 5 जुलाई को हाउसिंग बोर्ड स्थित संस्थान परिसर में प्रातः 10 बजे आयोजित होगी। बैठक में संस्थान के विकास, संगठनात्मक मजबूती, आगामी कार्यक्रमों एवं चुनाव संबंधी विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। संस्थान पदाधिकारियों के अनुसार बैठक में आय-व्यय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कर अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा। साथ ही नए एवं वर्तमान सदस्यों के अनुमोदन, आगामी चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनाव अधिकारी की नियुक्ति तथा चुनाव तिथि एवं कार्यक्रम निर्धारण पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक के दौरान संस्थान के लिए भूमि आवंटन से संबंधित फाइल की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी। इसके अलावा समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रस्तावित 'एक शाम शिक्षा के नाम' कार्यक्रम के आयोजन पर चर्चा करते हुए विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा। संस्थान के पदाधिकारियों ने सभी कार्यकारिणी सदस्यों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है, ताकि संस्थान की विकास योजनाओं को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा सके तथा समाज हित के कार्यों को नई दिशा और गति मिल सके व मेघवाल समाज छात्रावास शिक्षण संस्थान, पाली शिक्षा, संगठन एवं समाज उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत है।

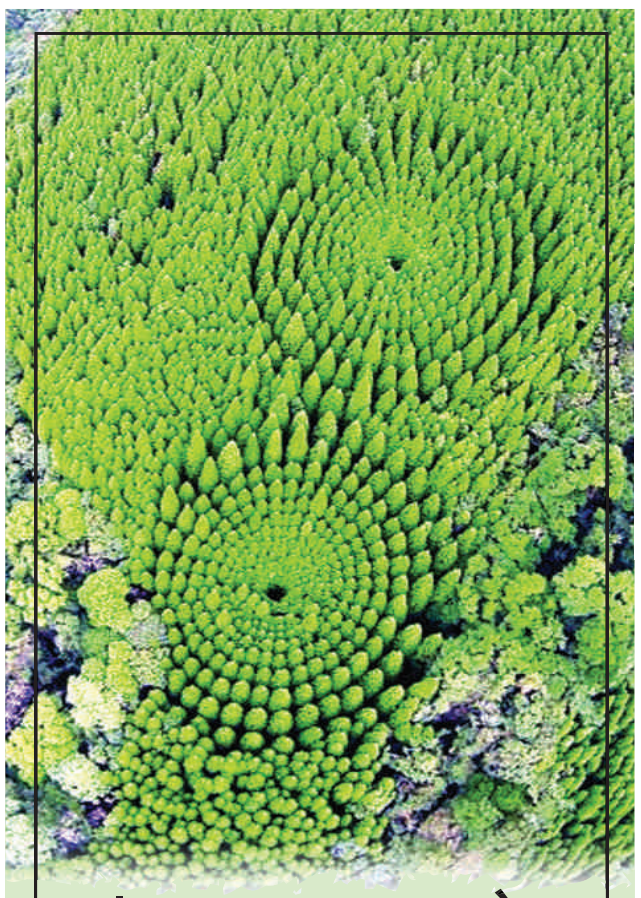

पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाजाकी प्रीफेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में हैं. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.

बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की खास बात ये हैं कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.

हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसेनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुमेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले मे लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीवर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चीटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंटों की 10 से 14

दुनिया का सबसे ऊंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात हैं जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर हैं। एंजेल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई नामक एक पर्वत पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक हैं कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंए के रूप में बदल जाता हैं और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता हैं। एन्जिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाईमा नेशनल पार्क में स्थित है।

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औयंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता हैं और जिस जगह यह गिरता हैं उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता हैं। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गेल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नेटिव जिसका अर्थ होता हैं सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेट के नाम पर रखा गया हैं जिनका नाम जिमी एंजेल था। एन्जिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल हैं।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उडान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑन्गेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरू भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरू नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह ऑयनटेपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एन्जिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एन्जिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती हैं जिसमे पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता हैं। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित हैं और स्यूदाद बोलिवर या पुएरा ऑर्डाज़ से कैनिमा शिविर तक पहुचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी हैं।

एन्जिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंवर के महीनो में होती हैं। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगना हो जाता हैं। जबकि दिसंवर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता हैं। आप पहाडियों पर चड़ने का अनुभव भी यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती हैं। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं।

वेनेजुएला में स्थित एंजिल फाल्स विश्व के

चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध हैं। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता हैं, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका हैं। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलो को छू लेता हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा हैं। एंजिल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात हैं। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित हैं। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित हैं जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब हैं। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योर्टो ऑर्डाज़ से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योर्टो ऑर्डाज़ से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिडकियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता हैं

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की हैं जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उडान भने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया हैं। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नही किया। उनकी ईक्षानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालाकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहां की में इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नही कर सकता।

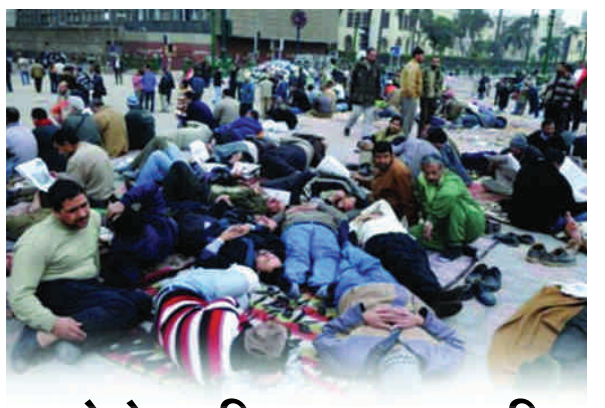

सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते. कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं. बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है. इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं.

बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है.

दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाएं है. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्ही में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.

इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'

जैतपुर धाम में 5 जुलाई को नवनिर्मित श्याम कुंड का लोकार्पण, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव होंगे मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । उपखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध जैतपुर धाम में 5 जुलाई को नवनिर्मित श्याम कुंड का उद्घाटन समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। इस भव्य आयोजन में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की जानकारी महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज और श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष ताराचंद प्रधान ने दी। उन्होंने बताया कि श्याम कुंड का निर्माण महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज की प्रेरणा और मार्गदर्शन में कराया गया है। उद्घाटन समारोह में आरसीए अध्यक्ष डॉ. मोहित जसवंत, विधायक डॉ. जसवंत सहित क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, प्रधान, सरपंच, जिला परिषद सदस्य और विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल होंगे। संत समाज के प्रमुख साधु-संत भी कार्यक्रम में पधारकर आशीर्वाद देंगे। उद्घाटन के अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। इसके बाद बाबा श्याम का रात्रि जागरण

आयोजित किया जाएगा। जागरण में भारत देश के सुप्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा सहित कई ख्यातिप्राप्त भजन गायक श्याम प्रभु के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे, जिससे श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होंगे। श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे की भी व्यवस्था की गई है। आयोजन समिति के अनुसार इस धार्मिक कार्यक्रम में करीब 40 से 50 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को देखते हुए सुरक्षा, यातायात और प्रसाद वितरण की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। समिति के स्वयंसेवक पूरे आयोजन में सेवा कार्य संभालेंगे। प्रधान ताराचंद यादव ने बताया कि महंत रामेश्वर दास महाराज शिक्षा को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियां आधुनिक युग में नए अवसरों का लाभ उठाकर समाज की मुख्यधारा में आगे बढ़ सकें। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महाराज द्वारा क्षेत्र की सरकारी विद्यालयों में रंग-रोगन, पेंट, टाइल, मेज-कुर्सियां आदि की व्यवस्था कराई गई है। महाराज छात्र-छात्राओं के लिए हमेशा प्रेरणा स्रोत बने रहते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों एवं श्याम भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज धार्मिक, सामाजिक और विकास कार्यों में निरंतर सक्रिय रहते हैं। उनके मार्गदर्शन में जैतपुर धाम अब आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन गया है। नवनिर्मित श्याम कुंड से धाम की भव्यता और बढ़ गई है, जिससे श्रद्धालुओं को धार्मिक अनुष्ठान करने में और सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर महंत रामेश्वर दास महाराज, प्रधान ताराचंद यादव, सचिन दास महाराज, ओमप्रकाश सरपंच, अर्जुन सरपंच, संदीप यादव, कंवर सिंह, हरकेश यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्री श्याम कुंड का उद्घाटन समारोह 5 जुलाई को होने वाला जैतपुर धाम के धार्मिक इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। नीमराना उपखंड क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों और युवाओं में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, क्योंकि क्षेत्र में पहली बार इतने बड़े स्तर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।

प्रतिभा सम्मान में 250 होनहारों का हुआ सम्मान, 'शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार' का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.बानसूर।

रमेशचंद । राजस्थान मेघवाल समाज संस्था के तत्वावधान में शनिवार को कस्बे के अंबेडकर भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। समारोह में शिक्षा, खेल और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 250 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि संस्था के प्रदेश अध्यक्ष निहालसिंह गोठवाल ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का संदेश था कि 'शिक्षा शेरनी का दूध है, जो इसे पिएगा वही दहाड़ेगा'। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। गोठवाल ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान करने से उनमें नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार होता है, जिससे समाज प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ता है। प्रदेश सचिव सुनील दत्त रांगेरा और ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. रतनलाल सूठवाल ने कहा कि इस समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और शिक्षा व सामाजिक जागरूकता के प्रति नई प्रेरणा देना है। सम्मानित विद्यार्थियों ने भी मंच से संकल्प लिया कि वे कड़ी मेहनत कर समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम में देशराज वर्मा, गिरीश राठौड़, तारा पुतली, प्रो. डॉ. राजेश आर्य, प्रो. डॉ. बीआर शास्त्री, प्रो. डॉ. महेश गोठवाल, सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. रामावतार अरुण, प्राचार्य योगेश नैनावत, प्राचार्य अशोक नैनावडूह, प्राचार्य लक्ष्मण नैनावत, आरएएस पंकज नैनावत, उद्योग प्रसार अधिकारी पवन मोरोडिया, एटीओ अशोक आरोदिया सहित संस्था उपाध्यक्ष रामावतार, सचिव दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष हिम्मत कुमार, महासचिव राकेश जिंदल, दुलीचंद सोलंकी, अशोक रांगेरा, निर्मल सुरेला और बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहें।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर भाजपा का योग शिविर आयोजित

प्रदेश भर में 1500 कार्यक्रमों के जरिए जन-जन तक योग पहुँचाने का लक्ष्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व भाजपा जिला इकाई ने झुंझुनू चूना चौक के रामलीला पार्क में एक योग शिविर का आयोजन किया। इस शिविर के माध्यम से योग दिवस की पूर्व तैयारियाँ पूरी की गईं।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी ने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों का नेतृत्व किया। शिविर में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शिविर में योगाचार्य कपिल शर्मा कासिमपुरा एवं योग गुरु मनोज सैनी ने उपस्थित लोगों को अनेक प्रकार के योगाभ्यास करवाए। इसमें विशेष रूप से सात्विक योग, हठ योग,

राज योग और प्राणायाम के सत्र रखे गए। योग दिवस की तैयारियों के तहत कार्यकर्ताओं को नियमित योगाभ्यास करने का संकल्प भी दिलाया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरी ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य राज्य भर में 1500 योग कार्यक्रम आयोजित कर योग के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विश्वंभर पुनिया, योग दिवस अभियान जिला संयोजक राकेश शर्मा बगड़ व शहर मण्डल अध्यक्ष एवं स्वच्छता प्रभारी कमल कांत शर्मा ने भी योग पर अपने विचार व्यक्त किए। शिविर में जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह शेखावत, अजय चाहर, जिला प्रवक्ता संजय मोरवाल, जिला सोशियल मीडिया संयोजक चन्द्र प्रकाश शुक्ला, जिला आईटी संयोजक सौरभ सोनी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष राकेश सहल, शहर मण्डल महामंत्री ताराचंद सैनी, विजेंद्र हटवाल, उपाध्यक्ष महेंद्र सोनी, जगदीश गोस्वामी, चंद्र प्रकाश जोशी, रामनिवास सैनी, विकास पुरोहित, जिला मंत्री महेंद्र सोनी मणिविहार, अनिल जोशी, विनोद जांगिड, अमित पांडेय, मनोज व्यास, उमाशंकर महमिया, शिवचरण पुरोहित, वरिष्ठ कार्यकर्ता ख्यालीराम कुमावत, शुभकरण चोपदार, अशोक सुल्तानिया, पार्षद विजय कुमार सैनी, संदीप चांवरिया, नरेन्द्र शर्मा, पवन शर्मा टाइपिस्ट, द्वारका प्रसाद सैनी, खलील सिलावट, संतकुमार सैनी और हरिकिशन शुक्ला सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

मानव तस्करी के खिलाफ जागरूकता ही सबसे बड़ी ताकतः पीएलवी सुनील कुमार

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा की 'मानव तस्करी एवं वाणिज्यिक यौन शोषण के शिकार व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवा योजना-2015 (एन-5)' के तहत शनिवार को नीमराना की शुभ ग्रह हाउसिंग सोसायटी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पैरा लीगल वॉलंटियर सुनील कुमार ने लोगों को मानव तस्करी और यौन शोषण के खतरों के साथ-साथ कानूनी सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। पीएलवी सुनील कुमार ने बताया कि मानव तस्करी और यौन शोषण मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। इससे महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचता है। नालसा योजना के तहत पीड़ितों को निःशुल्क कानूनी सहायता, न्यायालय में सहयोग, पुनर्वास, चिकित्सा और परामर्श सेवाएं दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही इस अपराध के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि यदि उन्हें आसपास मानव तस्करी या यौन शोषण से जुड़ी कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे, तो उसकी जानकारी तुरंत पुलिस या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को दें। समय पर सूचना देने से पीड़ितों को न्याय दिलाने और अपराधियों पर कार्रवाई करने में मदद मिलती है। कार्यक्रम में सोसायटी अध्यक्ष हरकेश यादव, हवासिंह यादव, कृष्ण कुमार, मुकेश, रमेश, मैनेजर योगेश कुमार, वेद प्रकाश, अंजू मेहरा, मनोज सैनी, विक्रम गुर्जर, मोनू यादव, हरीश, विद्यानंद यादव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने पीएलवी सुनील कुमार द्वारा दी गई जानकारी को ध्यान से सुना और मानव तस्करी के खिलाफ मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

हैप्पीनेस योग शिविर व योग रत्न सम्मान समारोह आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं/जयपुर

मानवता परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा सूर्यवंशम योगा एण्ड वेलनेस सेन्टर के सहयोग से रविवार को सांय 5 से 7 बजे तक 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर योगाचार्य मनीष सूर्यवंशी के सानिध्य में निशुल्क 'हैप्पीनेस योग शिविर व योग रत्न सम्मान समारोह' का आयोजन सूर्यवंशम योगा एंड वेलनेस सेन्टर, तृतीय मंजिल, ए-4, महालक्ष्मी नगर , वर्ल्ड ट्रेड पार्क के पीछे, मालवीय नगर, जयपुर में होगा।

समर्पण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद राम कुमार वर्मा होंगे एवं अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईआरएस डॉ. डी.आर. रेवाला करेंगे। साथ ही अनेक गणमान्य व्यक्ति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

कार्यक्रम में योग के क्षेत्र में काम करने वाली युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा और सभी सहभागियों को संस्था की ओर से सहभागिता प्रमाण पत्र भी भेंट किये जाएंगे।

बावड़ी के श्री राधा-कृष्ण मंदिर में 21 जून को भव्य भंडारा और धार्मिक मनोरंजन कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । कोटपूतली -बहरोड़ जिले की नीमराना तहसील के ग्राम बावड़ी स्थित श्री राधा- कृष्ण मंदिर में रविवार, 21 जून 2026 को विशाल भंडारा एवं धार्मिक मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।कार्यक्रम की पूरी जानकारी नर्सिंग ऑफिसर सुरेंद्र यादव बावड़ी के द्वारा प्राप्त हुई है। आयोजन को लेकर मंदिर प्रांगण में तैयारियां जोरों पर हैं। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 7:15 बजे हवन पूजन के साथ होगी। इसके बाद प्रातः 10:15 बजे से भंडारा प्रसादी वितरित की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है। आयोजकों का कहना है कि गांव और आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में भक्तजन प्रसादी ग्रहण करने पहुंचेंगे। भंडारे के साथ ही प्रातः 10:15 बजे से धार्मिक मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकार संजय पटेल एंड पार्टी भजनों और धार्मिक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर करेंगे। कार्यक्रम में संजय पटेल, कंचन यादव, राजू गोला, माही चौधरी डांसर और बृजेश सोरखा अपनी प्रस्तुती देगें । कार्यक्रम में बाबा कुन्दनदास आश्रम, बोरेड़ के महंत जय बिहारी कृष्ण धाकड़ बाबा और श्री राधा-कृष्ण मंदिर, बावड़ी के महंत पूज्यागिरि महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त होगा। दोनों संत भक्तों को आशीर्वाद देंगे और धार्मिक प्रवचन भी करेंगे। कार्यक्रम के निवेदक समस्त भक्तजन एवं ग्रामवासी, ग्राम बावड़ी, तहसील नीमराना, जिला कोटपूतली-बहरोड़ हैं। पेपर भेटकर्ता गणेश प्रिंटर्स, शाहजहांपुर के प्रो. मनोज यादव मांडण वाले ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गांव के सभी लोगों ने मिलकर सहयोग किया है।

री-नीट परीक्षा को लेकर झुंझुनूं में तैयारियां पूरी, 21 केंद्रों पर आज 6872 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित री-नीट परीक्षा को लेकर झुंझुनूं जिले में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आज 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए जिलेभर में 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 6872 परीक्षार्थी शामिल होंगे। एनटीए के जिला कोऑर्डिनेटर ओआर चौधरी ने बताया कि परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षार्थियों को निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं ताकि प्रवेश प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलमुक्त बनाने के लिए प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के नेटवर्क को निष्क्रिय करने के लिए जैमर लगाए जाएंगे। इसके अलावा परीक्षा अवधि के दौरान केंद्रों के 300 मीटर के दायरे में आने वाली सभी फोटोस्टेट (जेरॉक्स) की दुकानें, ई-मित्र केंद्र और साइबर कैफे बंद रखे जाएंगे। प्रशासन ने परीक्षा संचालन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के दिशा-निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिले में परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रखी गई है।

जन्मदिन पर दिया मानवता का संदेश, हरकेश यादव के सम्मान में लगा रक्तदान शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । शुभ गृह हाउसिंग सोसायटी के अध्यक्ष हरकेश यादव के जन्मदिवस के अवसर पर शनिवार, 20 जून को सोनी देवी ब्लड बैंक, नीमराना के सहयोग से सोसायटी के सेंटर पार्क में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सोसायटी के सदस्यों, मित्रों एवं परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदान शिविर में 41 यूनिट से अधिक रक्त संग्रहित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने हरकेश यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। शिविर में जिला पार्षद वेद प्रकाश खबरी, पूर्व कोषाध्यक्ष कृष्ण यादव, चंद्रकांत गुप्ता, जेईएन अजय यादव, सोसायटी मैनेजर योगेश कुमार, सोहन लाल, जीत सिंह, मुकेश राईका, प्रवेश गुरु, हवा सिंह, भीम यादव, आरडब्ल्यूए पवन शर्मा, अरुण यादव, लाइनमैन मनोज, मनोज यादव, याचित शर्मा, रजनी, वेद प्रकाश, अंजू मेहरा, मनोज सैनी, विक्रम गुर्जर, मोनू यादव, हरीश सहित अनेक लोगों ने रक्तदान किया तथा शिविर की व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त कई लोगों का जीवन बचाने में सहायक सिद्ध हो सकता है। शिविर में लोगों ने नियमित रूप से रक्तदान करने का संकल्प भी लिया। रक्तदाताओं को ब्लड बैंक की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। रक्तदान शिविर सामाजिक सरोकार और मानव सेवा की भावना का प्रेरणादायक उदाहरण बना, जहां जन्मदिन को उत्सव के साथ-साथ जनसेवा से भी जोड़ा गया।

श्योपुरा में सीवरेज के गंदे पानी से श्मशान घाट व खेल मैदान जलमग्न, ग्रामीणों में रोष

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा के श्योपुरा गांव में नगरपालिका प्रशासन की कथित लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि चिड़ावा शहर के सीवरेज प्लांट से बिना ट्रीट किया गया गंदा पानी लगातार श्योपुरा के जोहड़ में छोड़ा जा रहा है, जिससे गांव का श्मशान घाट और खेल मैदान जलमग्न हो गए हैं।ग्रामीणों के अनुसार श्मशान घाट में करीब चार फीट तक गंदा पानी भर गया है, जिसके कारण अंतिम संस्कार के लिए भी पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं रह गया है। समस्या से नाराज ग्रामीणों ने मौके पर एकत्र होकर नगरपालिका प्रशासन और चेयरमैन सुमित्रा सैनी के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या पिछले सात से आठ वर्षों से बनी हुई है। उनका कहना है कि पूर्व में प्रशासन और एसडीएम स्तर पर कई बार समाधान का आश्वासन दिया गया, लेकिन आज तक स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गंदे पानी के भराव से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है, बड़ी संख्या में पेड़ सूख चुके हैं और क्षेत्र में बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ गई है। सूचना मिलने पर नगरपालिका के जेईएन आकाश जांगिड़ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि ओवरफ्लो के कारण मिट्टी का बंधा टूट

गया था, जिससे श्मशान घाट में पानी भर गया। उन्होंने अस्थायी समाधान के रूप में मिट्टी डालकर बंधे की मरम्मत कराने का आश्वासन दिया तथा अमृत-2 योजना के तहत स्थायी डिस्पोजल प्वाइंट विकसित किए जाने की जानकारी दी। हालांकि ग्रामीण प्रशासन के आश्वासन से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो नगरपालिका कार्यालय का घेराव किया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे बाईपास के पास नाला तोड़कर गंदे पानी का रुख वापस चिड़ावा शहर की ओर मोड़ने का कदम उठा सकते हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास परिसर में सामूहिक सुंदरकांड पाठ आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले मार्ग पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास स्थित भगवान राम-जानकी-हनुमान मंदिर में शनिवार को साप्ताहिक सामूहिक सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, श्रीराम स्तुति एवं आरती का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। छात्रावास निर्माण समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी ने बताया कि मंदिर में प्रत्येक शनिवार को सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, श्रीराम स्तुति एवं आरती का सामूहिक आयोजन किया जाता है। इसमें महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति के पदाधिकारी, छात्रावास के विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त भाग लेते हैं। सामूहिक वाचन के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोजन से पूर्व भगवान राम-जानकी एवं हनुमानजी के दरबार का आकर्षक एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया। सुंदरकांड पाठ एवं आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया तथा सभी ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर निर्माण समिति के संयोजक सज्जन कुमार सैनी, कोषाध्यक्ष झाबरमल माली, भूमि प्रदाता दीपक कटारिया, राजा कटारिया, अंकित गौड़, संदीप पिपलोदिया, अनिल जाजम, मनीष बालाण, अंकित महावर, अनिल सैनी, पंकज बालाण, बाबूलाल सैनी सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए वैद्य लालचन्द शर्मा सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद द्वारा संचालित श्री रघुनाथ आयुर्वेदिक औषधालय के चिकित्सक वैद्य लालचन्द शर्मा को आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सीकर में आयोजित एक गरिमामय समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने उन्हें सम्मान प्रदान किया।नागरिक परिषद के संरक्षक राजकुमार पारीक ने बताया कि रावराजा कल्याण सिंह जी के 140वें जन्मोत्सव के अवसर पर सीकर के गोविन्दम सभागार में राजकुमार हरदयाल सिंह त्रैलोक्य राज्यलक्ष्मी देवी ट्रस्ट द्वारा भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिनमें वैद्य लालचन्द शर्मा भी शामिल रहे। वैद्य शर्मा को आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में दीर्घकालीन एवं उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह, राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, धोद विधायक गोरधन वर्मा तथा फतेहपुर विधायक हाकम अली सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ट्रस्ट के मंत्री पवन मोदी, संयोजक चितरंजन सिंह राठौड़ एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. बलवन्त सिंह चिराणा ने अतिथियों का स्वागत किया तथा आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। वैद्य लालचन्द शर्मा के सम्मानित होने पर लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद एवं क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

शहीद सीताराम कुमावत तांबी विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कस्बे के शहीद सीताराम कुमावत एवं तांबी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पलसाना में रविवार को ब्लॉक स्तरीय योग दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर नगर पालिका प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। आयोजन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी। ईओ रवीना चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6:00 बजे होगा। योग दिवस के अवसर पर स्थानीय योगवंशम प्राकृतिक योग संस्थान के प्रशिक्षित योग शिक्षकों के मार्गदर्शन में सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा। योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का प्रदर्शन करते हुए उपस्थित लोगों को नियमित योग अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। ईओ ने बताया कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। योग के माध्यम से तनावमुक्त जीवन, बेहतर स्वास्थ्य तथा सकारात्मक सोच विकसित की जा सकती है। इसी उद्देश्य से अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए हैं। कार्यक्रम में ब्लॉक क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं आमजन भाग लेकर योग के प्रति जागरूकता का संदेश देंगे। आयोजन के माध्यम से स्वस्थ एवं निरोगी समाज के निर्माण का संकल्प भी लिया जाएगा। इसके साथ ही कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता के चार प्रमुख पहलुओं पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। उपस्थित लोगों को व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरण स्वच्छता, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता तथा कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा। स्वच्छता एवं योग को स्वस्थ जीवन की आधारशिला बताते हुए लोगों से इन्हें दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया जाएगा। ईओ ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने तथा स्वस्थ भारत एवं स्वच्छ भारत के संकल्प को मजबूत करने की अपील की है।

12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के: विधायक राजेंद्र भाम्बू ने बगड़ में किया रात्रि प्रवास

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित '12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' अभियान के तहत विधायक राजेंद्र भाम्बू ने बगड़ मंडल क्षेत्र में रात्रि प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद कर केंद्र सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। रात्रि प्रवास के दौरान आयोजित बैठक में विधायक राजेंद्र भाम्बू ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्ग के सशक्तिकरण के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा भाव को शासन की प्राथमिकता बनाते हुए विकास को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। विधायक भाम्बू ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाएं ताकि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति इनका लाभ प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि विश्वास, विकास और जनकल्याण की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी तथा देश को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को और अधिक मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में बगड़ मंडल अध्यक्ष सुदर्शन चोमाल, बगड़ नगरपालिका चेयरमैन गोविंद सिंह, राकेश शर्मा, सुनील शर्मा, कमलेश चाहर, राजेंद्र डांगी, महेंद्र शास्त्री, रामावतार जांगिड़, देवकीनंदन बुड़ानिया, रामप्रताप बरवड़, वीरू सिंह, सुरेंद्र भाम्बू (प्रिंसिपल), मुकेश पातुसरी, कांता सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जैतपुरधाम में बने श्याम कुंड का 5 जुलाई को होगा लोकार्पण, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव करेंगे उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.अटेली/जैतपुरधाम।

मनोज बुलाण । अटेली क्षेत्र से सटे हुडिया जैतपुर स्थित बाबा दयालदास आश्रम में श्याम भक्तों के लिए नवनिर्मित श्याम कुंड का उद्घाटन 5 जुलाई को भव्य समारोह के साथ किया जाएगा। श्याम कुंड का लोकार्पण केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र सिंह के कर-कमलों से होगा। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह डू अपनी प्रस्तुति देंगे तथा विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।बाबा दयालदास आश्रम के महामंडलेश्वर रामेश्वरदास महाराज ने बताया कि जैतपुरधाम में प्रतिवर्ष श्याम बाबा का विशाल मेला भरता है, जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और आस्था को ध्यान में रखते हुए खाटूधाम की तर्ज पर श्याम मंदिर के समीप श्याम कुंड का निर्माण कराया गया है, जहां भक्त स्नान कर धार्मिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि उद्घाटन समारोह से पूर्व श्याम कुंड परिसर में निर्मित नए मंदिर में श्याम बाबा की प्रतिमा स्थापना का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं 4 जुलाई को विशाल कलश यात्रा एवं मूर्ति शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। शनिवार को बाबा दयालदास आश्रम में आयोजित पत्रकार वार्ता में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इस दौरान श्याम मंदिर मेला कमेटी अध्यक्ष ताराचंद प्रधान, सरपंच अर्जुन यादव, पूर्व सरपंच ओमप्रकाश यादव, जयप्रकाश पंडित सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।महामंडलेश्वर रामेश्वरदास महाराज के सानिध्य में क्षेत्र के लोग आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि बाबा दयालदास आश्रम के अंतर्गत हरियाणा और राजस्थान के अनेक गांवों की 52 कोटड़ियां आती हैं तथा अटेली, बेगपुर, फतनी, धन्नौदा सहित आसपास के कई गांवों की सीमाएं इस क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

योग दिवस पर 21 को सिद्ध योग आध्यात्मिक उत्थान एवं रोग मुक्ति हेतु निःशुल्क शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अध्यात्म विज्ञान सत्संग केंद्र जोधपुर की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून रविवार को सिद्ध योग आध्यात्मिक उत्थान एवं रोग मुक्ति हेतु मंडी अटेली में निःशुल्क शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सांय साढ़े छः से साढ़े सात बजे तक राधाकृष्ण मंदिर में होगा। अध्यात्म विज्ञान सत्संग केंद्र जोधपुर के साधक उमा दत्त शर्मा ने बताया कि सिद्धयोग आध्यात्मिक उत्थान एवं रोग मुक्ति हेतु योगिक क्रियाएं, जैस आसन, बंध,मुद्राएं, प्राणायाम आदि स्वतः सिद्धयोग से होंगी। निःशुल्क शिविर में साधक सुनिल कुमार शर्मा द्वारा आध्यात्मिक संबोधन होगा। उन्होंने बताया कि योग में तो योगाचार्य बाहर से निर्देश देते है जबकि सिद्ध योग में गुरु साधक के अंदर से क्रियाशील होगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भीर्र में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सामूहिक योगाभ्यास किया। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. आदर्श कुमारी ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न राजकीय विभागों, सामाजिक, धार्मिक, शैक्षिक एवं चिकित्सा संस्थाओं के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। योग प्रशिक्षक संदीप कुमार के निर्देशन में उपस्थित लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाते हुए योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है, तनाव कम होता है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को दैनिक जीवन में योग को शामिल करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे अपनाकर स्वस्थ और निरोग जीवन जिया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने का संकल्प लिया।

प्राकृतिक खेती अपनाकर किसान बढ़ाएं आय, बचाएं मिट्टी और पर्यावरण: सुभाष बराला

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत ग्राम ललौदा में किसान गोष्ठी आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने किसानों का आह्वान किया कि वे प्राकृतिक खेती को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बनाएं। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में बढ़ती उत्पादन लागत, भूमि की घटती उर्वरता और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच प्राकृतिक खेती समय की आवश्यकता बन गई है। यह खेती की ऐसी पद्धति है जो कम लागत में बेहतर उत्पादन, स्वस्थ मिट्टी और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करती है।राज्यसभा सांसद सुभाष बराला शनिवार को ग्राम ललौदा में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत आयोजित किसान गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद ने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को प्रतिवर्ष आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जबकि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से सुरक्षा प्रदान कर रही है। इसके अलावा कृषि यंत्रीकरण, सूक्ष्म सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सुभाष बराला ने कहा कि राज्य सरकार भी किसानों के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की फसलों की सरकारी खरीद सुनिश्चित की जा रही है तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर अधिकाधिक फसलों की खरीद कर किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, फसल विविधीकरण, बागवानी को बढ़ावा देने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार पर विशेष बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसान रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर सकते हैं, जिससे खेती की लागत घटेगी और भूमि की उर्वरता में सुधार होगा। प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों की गुणवत्ता बेहतर होती है तथा पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि किसानों का उत्साह और सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव की दिशा में किसान आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने और अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती का विस्तार न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित पर्यावरण और भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर कृषि व्यवस्था सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी किसानों से प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए समृद्ध किसान, स्वस्थ धरती और स्वावलंबी कृषि के संकल्प को साकार करने की अपील की।गोष्ठी में हमेटी जींद के मास्टर ट्रेनर डा. सुभाष चंद्र ने किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व, जैविक संसाधनों के उपयोग, भूमि की उर्वरता बढ़ाने, जल संरक्षण तथा खेती की लागत कम कर आय में वृद्धि के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी । विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों से अवगत कराया तथा उनके प्रश्नों का समाधान किया।इस अवसर पर एसडीओ मुकेश मेहला, कृषि विशेषज्ञ डा. अजय ढिल्लों, देवीलाल सरपंच ललौदा, कुलदीप सरपंच प्रतिनिधि गाँव डांगरा, दलजीत नैन, दिनेश भाकर, रणधीर भाकर, विरेंद्र भाकर, सुरेंद्र ललौदा, सुरेश भड़िया, अधिकारीगण एंव जागरूक किसान साथी उपस्थित रहे।

कृषि और पशुपालन के मध्य सामंजस्य जरूरी : डॉ. सुखविंदर सिंह चौहान

पीएम किसान उत्सव दिवस : कृषि और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक

जिले के सभी पशु अस्पतालों में मनाया गया पीएम किसान उत्सव दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत शनिवार को जिले के सभी राजकीय पशु चिकित्सालयों एवं पशु औषधालयों में पीएम किसान उत्सव दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर किसानों एवं पशुपालकों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों तथा पशुपालन क्षेत्र में हुए सकारात्मक परिवर्तनों की जानकारी दी गई। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर से हरीघाटा स्थित रीजनल सीमन प्रोडक्शन लेबोरेटरी एवं बकरी वीर्य बैंक के उद्घाटन तथा पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी करने के कार्यक्रम का जिले के सभी पशु अस्पतालों में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण दिखाया गया। पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग के उपनिदेशक डॉ. सुखविंदर सिंह चौहान ने कहा कि कृषि और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों के मध्य बेहतर सामंजस्य किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पीएम किसान उत्सव दिवस किसानों एवं पशुपालकों के लिए एक महत्वपूर्ण और सुनहरा अवसर है, जो सरकार की किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा पीएम-किसान योजना की 23वीं किस्त जारी की गई, जिसके तहत देशभर के लगभग 9.44 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 18,880 करोड़ रुपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई। इसी कड़ी में राजकीय पशु चिकित्सालय, शेखुपुर दड़ौली में आयोजित कार्यक्रम में पशु चिकित्सक डॉ. रामनिवास बिश्नोई ने उपस्थित पशुपालकों को पशुपालन की नवीनतम तकनीकों, पशुओं के रखरखाव, किसान क्रेडिट कार्ड, टीकाकरण कार्यक्रमों, पशुधन बीमा तथा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों एवं पशुपालकों ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और किसान हितैषी प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वीएलडीए अनिल, पशु परिचर शुभम, सरपंच अमर सिंह भदरेचा सहित बड़ी संख्या में किसान एवं पशुपालक उपस्थित रहें।

21 जून को नई अनाज मंडी में होगा उपमंडल स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

फाइनल रिहर्सल में किया योगाभ्यास, तैयारियों को दिया अंतिम रूप

एसडीएम आकाश शर्मा ने अधिकतम जनभागीदारी की अपील की

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल एवं भव्य आयोजन को लेकर प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। एसडीएम आकाश शर्मा ने बताया कि उपमंडल स्तरीय मुख्य अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम 21 जून को प्रातः 6 बजे स्थानीय रेलवे रोड स्थित नई अनाज मंडी में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में नलवा विधायक श्री रणधीर पनिहार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।एसडीएम ने उपमंडल के सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि योग स्वस्थ जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाता है तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' समाज के प्रत्येक वर्ग को योग के प्रति प्रेरित करने का संदेश देती है।अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर शनिवार को नई अनाज मंडी में फाइनल रिहर्सल का आयोजन भी किया गया। इस दौरान आयुष विभाग के योग सहायक देवेन्द्र कुमार ने प्रतिभागियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया।योग सहायक देवेन्द्र कुमार ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास करवाते हुए उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। साथ ही अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं गहरी श्वास संबंधी अभ्यासों के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उपाय बताए। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर कार्यक्रम की तैयारियों में सहभागिता निभाई।कार्यक्रम की नोडल अधिकारी आयुष विभाग की डॉ. स्वाती शर्मा ने रिहर्सल के दौरान कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर सभी व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं।रिहर्सल के दौरान बजरंग मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न योग मुद्राओं एवं योग कलाओं का आकर्षक और अद्भुत प्रदर्शन कर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन डीपीई बलबीर सिंह द्वारा किया गया।

उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा व विधायक राजेन्द्र मीना ने महवा के विकास को दी नई उड़ान

महवा में आयुर्वेद कॉलेज का शिलान्यास और बस स्टैंड के नवीनीकरण का किया लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । कहते हैं कि 'जहां जनविश्वास की नींव मजबूत हो, वहां विकास की इमारत खुद-ब-खुद बुलंद हो जाती है।' महवा विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जब राज्य के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और महवा विधायक राजेन्द्र मीना ने विकास और जनआस्था के संगम के बीच क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण सौगातें दीं। ग्राम समलेटी में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं विधायक राजेन्द्र मीना ने आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय तथा सम्बद्ध चिकित्सालय महवा के निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बन रहा था। समारोह में उमड़े जनसैलाब के बीच उप मुख्यमंत्री बैरवा ने क्षेत्रवासियों द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत और सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं विधायक राजेन्द्र मीना ने कहा कि महवा क्षेत्र की जनता का विश्वास और स्नेह ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है तथा उसी के बल

पर क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। इसके बाद उप मुख्यमंत्री और विधायक ने महवा के केंद्रीय बस स्टैंड पर पहुंचकर करीब 1.50 करोड़ रुपए की लागत से कराए गए नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण किया। लोकार्पण के बाद उप मुख्यमंत्री बैरवा ने कहा कि यह कार्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ महवा को आधुनिक और सुव्यवस्थित पहचान प्रदान करेगा। विधायक राजेन्द्र मीना ने कहा कि महवा क्षेत्र के विकास में यहां की जनता की भागीदारी सबसे बड़ी शक्ति रही है और क्षेत्र में दिखाई दे रहे बदलाव उसी जनसहयोग का परिणाम हैं।

दिनभर चले कार्यक्रमों की श्रृंखला में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और विधायक राजेन्द्र मीना ग्राम भूड़ापुरा (औण्ड गुर्जर) भी पहुंचे, जहां जाटव समाज के 50 गांवों के श्रद्धेय संत रामजीलाल महाराज के विशाल भंडारा एवं हरिकीर्तन दंगल के समापन समारोह में शामिल हुए। धार्मिक और सामाजिक समरसता के माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम में दोनों नेताओं का ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्रवासियों का अपनापन और स्नेह उन्हें हमेशा जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। विधायक राजेन्द्र मीना ने कहा कि जनता का प्रेम और विश्वास ही जनप्रतिनिधि की असली पूंजी होती है और यही भाव उन्हें क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रमों के दौरान विधायक राजेन्द्र मीना ने महवा की पावन धरा पर पधारने और विभिन्न विकास एवं सामाजिक कार्यक्रमों में सहभागिता निभाने के लिए उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का आभार व्यक्त किया। पूरे दिन चले आयोजनों में भाजपा के विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक, पंच-पटेल और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कृष्ण जन्मोत्सव पर भक्ति में झूमा ऊकरूंद, कथा पंडाल में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । 'जहां हरिनाम की ध्वनि गूंजती है, वहां मनुष्य का मन स्वयं भक्ति में डूब जाता है।' ग्राम ऊकरूंद में पूर्व सरपंच एवं समाजसेवी रामफूल मीना के निवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव के चतुर्थ दिवस पर शनिवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का अनुपम संगम देखने को मिला। सुबह से ही कथा पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष, भजन-कीर्तन एवं हरिनाम संकीर्तन से भक्तिमय हो उठा।कथावाचक पंडित परशुराम शास्त्री वृंदावन धाम ने सूर्यवंश एवं चंद्रवंश का भावपूर्ण वर्णन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य अवतार की कथा सुनाई। कृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग आते ही कथा पंडाल श्रद्धा और उत्साह से सराबोर हो उठा। श्रद्धालु भजनों की धुन पर नाचते-गाते नजर आए और पूरा माहौल नंद के आनंद भयो के जयघोष से गूंज उठा। इस दौरान विजेंद्रसिंह जनूथर वालों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण जन्म की आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

कथावाचक ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को संस्कार, सेवा, सदाचार और ईश्वर भक्ति से जोड़ने वाला दिव्य ज्ञान का महासागर है। उन्होंने कहा कि 'जहां भगवान की कथा का अमृत बरसता है, वहां दुखों का अंधकार स्वयं मिट जाता है।' महाआरती के समय पूरा पंडाल दीपों की जगमगाहट और जयकारों से गुंजायमान हो उठा।कथावाचन के पश्चात निठारी सरपंच करणसिंह चौधरी के सान्निध्य में प्रसाद वितरण किया गया, वहीं हरिसिंह एवं संतराम द्वारा 111 किलो केलों का प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। कार्यक्रम में रामफूल मीना, जगमोहन जेईएन, खुशीराम मीना, काडूराम मीना, जितेश मीना, उमाशंकर मीना, रघुवीर मीना, कल्लू मीना, सहवाग, रिंकू मीना, जगदीश मीना सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, पंच-पटेल एवं बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

नीट-यूजी परीक्षा को लेकर दौसा पुलिस अलर्ट, सुरक्षा और निगरानी के कड़े इंतजाम

एसपी पीयूष दीक्षित ने पुलिस जाब्ते को दिए दिशा-निर्देश, अफवाह फैलाने वालों पर रहेगी विशेष नजर

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के सफल, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर दौसा पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। परीक्षा से एक दिन पूर्व शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन दौसा में जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर लाल मीणा ने परीक्षा ड्यूटी में नियुक्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ब्रीफिंग कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ब्रीफिंग के दौरान परीक्षा केंद्रों पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, अभ्यर्थियों के सुगम आवागमन, यातायात प्रबंधन तथा परीक्षा की गोपनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी केंद्रों पर निर्धारित नियमों के अनुसार अभ्यर्थियों की सघन जांच की जाए तथा परीक्षा केंद्रों और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए। पुलिस अधिकारियों को संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच बढ़ाने, किसी भी

प्रकार की अनियमित गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने तथा परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष निगरानी रखने और परीक्षा से जुड़ी भ्रामक, अफवाहपूर्ण अथवा आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों के खिलाफ तत्काल वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। दौसा पुलिस ने 21 जून को आयोजित होने वाली नीट यूजी 2026 परीक्षा को पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक सुरक्षा, निगरानी एवं चेकिंग व्यवस्था सुनिश्चित की है, ताकि अभ्यर्थी बिना किसी बाधा के परीक्षा में शामिल हो सकें।

टोहाना, आईजी कालेज के सामने, आदर्श कालोनी, वार्ड नं 15 में देह व्यापार मामले का खुलासा, महिला आरोपी काबू

थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई, महिलाओं को अनैतिक कार्य के लिए प्रेरित करने व स्थान उपलब्ध करवाने का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । थाना शहर टोहाना पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार के मामले में कार्रवाई करते हुए मास्टर कॉलोनी टोहाना निवासी बबली पत्नी भीरा सिंह को काबू किया है। आरोपी महिला को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेशानुसार उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि 18 जून 2026 को पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि भूना रोड स्थित आईजी कॉलेज के सामने आदर्श कालोनी वार्ड नं 15, टोहाना में एक मकान में महिलाओं को बुलाकर अनैतिक देह व्यापार करवाया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपाधीक्षक भट्ठ के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। महिला पुलिस कर्मचारियों को साथ लेकर बताए गए स्थान पर रेड की गई। रेड के दौरान मकान मालिक आदर्श कॉलोनी टोहाना निवासी बबली पत्नी भीरा सिंह मौके पर मौजूद मिली। वहीं एक महिला तथा एक पुरुष भी वहां पाए गए। पूछताछ के दौरान सामने आया कि आरोपी महिला अपने मकान में महिलाओं को बुलाकर उनसे देह व्यापार करवाती थी तथा उनकी कमाई का हिस्सा स्वयं रखती थी। जांच में महिलाओं को अनैतिक कार्य के लिए प्रेरित करने तथा इसके लिए स्थान उपलब्ध

करवाने के तथ्य सामने आए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 181 दिनांक 18 जून 2026 के तहत अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 की धारा 3, 4 व 5 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी बबली पत्नी भीरा सिंह को काबू कर लिया गया।

निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है तथा इस अवैध गतिविधि से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने आरोपी महिला को माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायालय के आदेशानुसार जमानत पर रिहा कर दिया गया। थाना शहर टोहाना पुलिस ने कहा कि सामाजिक अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'AI टूल्स पर दिखने वाले हर लिंक पर भरोसा न करें: एसपी श्रीमती निकिता खट्टर '

फर्जी शॉपिंग वेबसाइट्स के जरिए साइबर अपराधी लोगों को बना रहे हैं निशाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा आमजन को ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान बढ़ रहे साइबर फ्रॉड और फर्जी वेबसाइट्स के खतरे को लेकर एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की गई है।पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने जिला वासियों से अपील की है कि वे किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या एआई आधारित टूल द्वारा दिखाई गई वेबसाइट पर बिना जांच-पड़ताल किए भरोसा न करें। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने बताया कि हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामने आए कुछ मामलों में यह पाया गया है कि साइबर अपराधियों द्वारा तैयार की गई फर्जी शॉपिंग वेबसाइट्स इंटरनेट पर इस प्रकार प्रसारित की जा रही हैं कि वे कई बार एआई आधारित सर्च टूल्स के परिणामों में भी दिखाई दे सकती हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति किसी उत्पाद के बारे में जानकारी प्राप्त करते समय बिना सत्यापन के किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो उसके फर्जी वेबसाइट तक पहुंचने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि साइबर ठग नामी ब्रांड्स और कंपनियों की हूबहू दिखने वाली नकली वेबसाइट्स तैयार कर आकर्षक ऑफर्स और भारी छूट का लालच देते हैं। इन वेबसाइट्स का उद्देश्य लोगों से भुगतान करवाना तथा उनकी बैंकिंग एवं व्यक्तिगत जानकारी हासिल करना होता है।

एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि साइबर अपराधी कई बार इंटरनेट पर बड़ी मात्रा में नकली कंटेंट और क्लोन वेबसाइट्स अपलोड कर देते हैं, जिससे एआई सिस्टम भी भ्रामक स्रोतों को वैध समझ सकता है। इस प्रकार की गतिविधि को 'एआई पॉइजनिंग' कहा जाता है, जो वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रही है। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की कि ऑनलाइन खरीदारी करते समय वेबसाइट का यूआरएल ध्यानपूर्वक जांचें। केवल आधिकारिक डोमेन आदि पर ही भरोसा करें। यदि वेबसाइट के पते में संदिग्ध शब्द, अतिरिक्त अक्षर या असामान्य स्पेलिंग

AI द्वारा दिखाए गए लिंक की सत्यता जांचे बिना ऑनलाइन भुगतान न करें

वेबसाइट का यूआरएल, डोमेन और ऑफर्स की विश्वसनीयता अवश्य जांचें

दिखाई दे तो सतर्क रहें। इसके अलावा 70 से 90 प्रतिशत तक की भारी छूट वाले ऑफर्स की सत्यता अवश्य जांचें। फतेहाबाद पुलिस की एडवाइजरी में कहा गया है कि किसी भी ब्रांड का सामान खरीदने के लिए उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर स्वयं जाकर ही खरीदारी करें। किसी एआई टूल, विज्ञापन या अज्ञात लिंक के माध्यम से सीधे भुगतान करने से बचें।

फतेहबाद सदर थाना के माल खाने से शराब की 160 पेटियां गायब

सदर थाना फतेहाबाद एसएचओ प्रहलाद सिंह पर केस दर्ज

एएसपी दिव्यांशी सिंगला ने जांच में पाई अनियमितताओं के आधार पर की कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । फतेहाबाद में पुलिस विभाग को शर्मसार करने वाला एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां सदर थाने के मालखाने से जब्तशुदा अंग्रेजी शराब की 160 पेटियां रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। इसका खुलासा तब हुआ जब एएसपी दिव्यांशी सिंगला ने मालखाने का रूटीन निरीक्षण कर रिकॉर्ड का मिलान किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी निकिता खट्टर ने तुरंत कड़ा एक्शन लिया और तत्कालीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह को लाइन हाजिर करते हुए उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 256 और 316(5) के तहत एफआईआर दर्ज करा दी। इसके साथ ही, कड़ा रुख अपनाते हुए एसपी ने पूरे सदर

पूरे थाने के 48 पुलिसकर्मी बदले, थाने के स्टाफ को ही बदल दिया, जिसके तहत इंस्पेक्टर सहित कुल 48 पुलिसकर्मियों को हटाकर दूसरी जगह भेज दिया गया है । हटाए गए स्टाफ में 7 सब-इंस्पेक्टर, 3 एएसआई, 11 हेड कांस्टेबल, 16 कांस्टेबल, 9 एसपीओ और 1 एचके आरएन कर्मी शामिल हैं। इन सबको दूसरे थानों में तब्दील किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि आरोपी इंस्पेक्टर

प्रहलाद सिंह को पिछले सप्ताह ही एसपी द्वारा बेहतरीन कार्य (गुडवर्क) के लिए सम्मानित किया गया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, यह शराब 1 मार्च 2024 को पकड़ी गई थी, जब पंजाब से एक तेल टैंकर में छिपाकर 905 पेटी अंग्रेजी शराब फर्जी नंबर प्लेट के सहारे गुजरात ले जाई जा रही थी । तब पुलिस ने राजस्थान के बाड़मेर निवासी ड्राइवर मनोज कुमार को गिरफ्तार कर शराब की

पेटियों को सील कर मालखाने में रखवाया था। अब इन गायब हुई पेटियों की जांच के लिए एएसपी दिव्यांशी सिंगला, डीएसपी जगदीश काजला और एसएचओ सुरेंद्रा की एक एसआईटी गठित की गई है। यह टीम जांच करेगी कि पुलिस विभाग की इस सुरक्षा के बीच से शराब कैसे गायब हुई। फिलहाल, प्रहलाद सिंह की जगह रतिया सद् के थाना प्रभारी प्रहलाद राय को फतेहाबाद सदर का नया एसएचओ नियुक्त किया गया है, जबकि बड़ोपल चौकी प्रभारी शीशपाल सिंह को रतिया थाने की कमान सौंपी गई है।

यशस्वी का शतक, प्रसिद्ध का पंजा; भारत ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से जीती

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का शानदार समापन करते हुए तीसरे और अंतिम मुकाबले में 9 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में शनिवार को खेले गए मैच में भारत ने 219 रनों का लक्ष्य महज 28.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

भारत की जीत के नायक युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा रहे। यशस्वी ने नाबाद 110 रन की शानदार पारी खेलते हुए अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

यशस्वी-रोहित ने आसान बनाया लक्ष्य

219 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने अफगान गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए पहले विकेट के लिए मजबूत साझेदारी की।

रोहित शर्मा ने 69 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उन्हें मोहम्मद नबी ने सेदिकुल्लाह अटल के हाथों कैच कराया। इसके बाद यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर ने कोई जोखिम नहीं लिया और टीम को जीत तक पहुंचाया।

यशस्वी ने 86 गेंदों में नाबाद 110 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वहीं श्रेयस अय्यर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगान बल्लेबाजी की कमर तोड़ी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने दूसरे ही ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज (5) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने लगातार झटके देते हुए रहमत शाह (5), इब्राहिम जादरान (11) और दरविश रसूली (11) को भी पवेलियन भेज दिया। महज 36 रन पर चार विकेट गंवाकर अफगानिस्तान संकट में आ गया था।

हालांकि कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और अजमतुल्लाह उमरजई ने पांचवें विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की। उमरजई ने 56 गेंदों में 50 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

उमरजई के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी फिर लड़खड़ा गई। मोहम्मद नबी 21 रन बनाकर आउट हुए, जबकि राशिद खान केवल 5 रन ही बना सके।

शाहिदी का पहला वनडे शतक भी नहीं बचा सका टीम को

एक छोर पर डटे कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पहला शतक पूरा किया। उन्होंने 131 गेंदों पर 102 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। शाहिदी की इस जुझारू पारी की बदौलत अफगानिस्तान 44.2 ओवर में 218 रन तक पहुंच सका।

भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे सफल गेंदबाज रहते हुए 5 विकेट लिए। वहीं हर्ष दुबे, गुरनूर बरार और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

भारत ने पूरे दौरे में दिखाया दबदबा

भारतीय टीम इससे पहले धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में 7 विकेट और लखनऊ में दूसरे मुकाबले में 170 रनों से जीत दर्ज कर चुकी थी। चेपॉक में मिली जीत ने सीरीज में भारत का दबदबा पूरी तरह साबित कर दिया।

इस मैच में भारत ने अर्शदीप सिंह, केएल राहुल और कुलदीप यादव को आराम दिया था, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्ष दुबे की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड और मजबूत

वनडे क्रिकेट में भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक 7 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इनमें भारत ने 6 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला टाई रहा। अफगानिस्तान अब भी भारत के खिलाफ अपनी पहली वनडे जीत की तलाश में है। चेपॉक में मिली हार के बाद यह इंतजार और लंबा हो गया है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की चिली पर बड़ी जीत, नेशंस कप के फाइनल में बनाई जगह

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 के सेमीफाइनल में चिली के खिलाफ 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है।

आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत के लिए नवनीत कौर ने (छठे, 13वें), दीपिका ने (14वें, 18वें), नेहा ने (32वें) और रुतुजा दादासो पिसाल ने (39वें) मिनट में गोल किए। कप्तान सलीमा टेटे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ़ द मैच% चुना गया। भारत का फाइनल में मुक़ाबला अमेरिका और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

खेल की अच्छी शुरुआत के बाद, जिसमें भारत ने शुरुआती दौर में गेंद पर अपना कब्ज़ा बनाए रखा, उन्हें छठे मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत ने इस मौके का फायदा उठाया और उनके शॉट ने गोल के कोने में जाकर भारत को बढ़त दिलाई। भारत ने 13वें मिनट में अपनी बढ़त और मजबूत की।

सलीमा ने बाईं ओर से शानदार दौड़ लगाई और क्रॉस दिया, जिससे नवनीत को चिली के गोल पोस्ट के सामने बिना किसी रुकावट के गेंद को डिफ्लेक्ट करके अपना दूसरा गोल करने का मौका मिला। ड्रैगफ्लिकर दीपिका ने 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए भारत की बढ़त को और बढ़ाया और 18वें मिनट में सेट-पीस से एक और गोल करके स्कोर तेजी से 4-0 कर दिया।

दीपिका के इन दो गोलों के साथ वह टूर्नामेंट में छह गोल करके सबसे अधिक गोल करने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गईं। 4-0 की मज़बूत बढ़त के साथ दूसरे हाफ़ में पहुंचने के बाद भारत ने चिली की टीम पर दबाव बनाना जारी रखा। नेहा ने 32वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिससे भारत की बढ़त 5-0 हो गई और शॉर्ट-कॉर्नर को गोल में बदलने का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। 39वें मिनट में रुतुजा दादासो पिसाल ने भी गोल करने वालों की लिस्ट में अपना नाम जोड़ा; उन्होंने ओपन प्ले से रिवर्स हिट लगाकर गोल किया और स्कोर 6-0 कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में चिली की फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने सविता को चुनौती दी और उन्होंने कुछ शानदार बचाव किए। हालांकि, चिली की खिलाड़ी उन्हें पार नहीं कर सकीं और भारत ने आखिरी मिनटों में अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में वैभव सूर्यवंशी पर होगी सबकी नजर

दांबुला (एजेंसी)। 21 जून इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच ट्राई नेशन ए सीरीज का बहुप्रतीक्षित फाइनल रविवार को दांबुला में खेला जाएगा। इस मुकाबले में एक बार फिर सभी की निगाहें युवा भारतीय सनसनी 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर टिकी होंगी। इस फाइनल से पहले, पिछली बार जब ये दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तो वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ियों के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। वह मुकाबला सुपर ओवर तक खिंचा था, जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, और उसी दौरान मैदान पर खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या फाइनल में श्रीलंकाई खिलाड़ी एक बार फिर वैभव को निशाने पर लेंगे? इस सवाल का जवाब खुद श्रीलंका ए के कप्तान ने दिया है। पिछली भिड़ंत में, इंडिया ए की सुपर ओवर में हार के बाद, वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए

के खिलाड़ी विशेन हालंबगे के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें वैभव ने हालंबगे को धक्का भी दे दिया था। इस घटना के बाद, कई रिपोर्टों में सामने आया कि हालंबगे लगातार वैभव को चिढ़ा रहे थे और ट्राई-नेशन सीरीज की शुरुआत से ही दोनों खिलाड़ियों के बीच मौखिक झड़पें हो रही थीं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हालंबगे ने भारतीय बल्लेबाज से कई बातों के अलावा यह भी कहा था, घर जाओ, यह आईपीएल नहीं है। या कुछ इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसने स्थिति को और गरमा दिया था।

टी20 विश्व कप: भारत-साउथ अफ्रीका की ऐतिहासिक भिड़ंत, भारत की हैट्रिक पर नजरें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत रविवार को एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका से भिड़ेगा। लगातार दो मैच जीतने के बाद विमेन इन ब्लू की नजरें हैट्रिक लगाने पर हैं। यह मैच ऐतिहासिक है क्योंकि विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल की यादें भी ताजा करता है, जहां भारत ने साउथ अफ्रीकी टीम को हराकर ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, रविवार का मुकाबला टी20 वर्ल्ड कप का सिर्फ एक ग्रुप-स्टेज मैच है, लेकिन यह प्रोटियाज टीम के लिए बदला लेने और नॉकआउट स्टेज की ओर एक निर्णायक कदम उठाने का मौका है। हाल के वर्षों में महिला क्रिकेट में साउथ अफ्रीका और भारत के बीच एक जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली है, और रविवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में ग्रुप 1 के इस अहम मुकाबले में इस प्रतिद्वंद्विता का एक और अध्याय लिखा जाएगा।

भारत ने इस वर्ल्ड कप में दमदार शुरुआत की है। अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 64 रन से हराया, और फिर नीदरलैंड को 95 रन से मात दी। इन दो लगातार जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के शुरुआती दावेदारों में खुद को मजबूती से स्थापित कर लिया है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभागों ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है। वहीं, दूसरी ओर साउथ अफ्रीका की शुरुआत मिली-जुली रही है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों 65 रन से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े मुकाबले में 2 विकेट से जीत दर्ज की। यह जीत उनके लिए काफी अहम थी और अब उन्हें ग्रुप 1 में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भारत के खिलाफ भी जीत दर्ज करनी होगी।

हालांकि दोनों देश विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के सभी 10 संस्करण में खेले हैं, लेकिन हैरानी की बात है कि टूर्नामेंट में यह उनका पहला मुकाबला होगा। दोनों देशों के बीच टी20 फॉर्मेट में कुल 24 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 11 और साउथ अफ्रीका ने 10 मैच जीते हैं, जबकि तीन मैच बेनतीजा रहे हैं। हालांकि, हाल के मुकाबलों में साउथ अफ्रीका को ज्यादा सफलता मिली है, उन्होंने पिछले 15 टी20 मुकाबलों में से 9 में जीत हासिल की है। यह आंकड़ा इस बात का सबूत है कि भले ही भारत का पलड़ा भारी दिखता हो, लेकिन प्रोटियाज टीम कड़ी चुनौती पेश करने में सक्षम है।

सैबारी ने दूसरे मिनट में गोल करके मोरक्को को दिलाई जीत

फॉक्सबोरो (मैसाचुसेट्स)। इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। सैबारी को ब्राजील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को के कोच मोहम्मद ओउहबी ने कहा, 'हमें तीन अंक चाहिए थे और हमें मिल गए।' मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज़ ने उन्हें गेंद पास की। 25 वर्षीय फॉरवर्ड ने गेंद को लपकते ही गोलकीपर एंगस गन की पहुंच से काफी दूर नेट ऊपरी बाएं कोने में जोरदार शॉट लगाकर अपने प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। कतर में खेले गए पिछले विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली मोरक्को की टीम ने ग्रुप सी का अपना पहला मैच ब्राजील के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था, जिसमें सैबारी ने उसकी तरफ से एकमात्र गोल किया था। स्कॉटलैंड ने अपने पहले मैच में हैती को 1-0 से हराया था लेकिन मोरक्को की मजबूत रक्षात्मक पंक्ति के सामने उसे स्पष्ट मौके बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। अनुकूल परिणाम हासिल नहीं करने के बावजूद स्कॉटलैंड के कोच स्टीव क्लार्क ने कहा, 'हमने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हमें पूरा भरोसा है कि हम इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।'

फीफा विश्व कप : मैथियस कुन्हा के दो गोल से ब्राजील ने हैती को बाहर का रास्ता दिखाया

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दो गोल में से एक में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने शुक्रवार रात को हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है। वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है।

दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। उन्होंने दो गोल करके यह साबित कर दिया कि ब्राजील और मोरक्को के बीच 1-1 से नीरस ड्रॉ छूटे पहले मैच में उन्हें शुरुआती लाइनअप में नहीं रखना कितनी बड़ी

गलती थी।

ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने पहले मैच में चौंकाने वाला फैसला लेते हुए कुन्हा को काफी देर बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतारा था। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राजील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी।

विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था। इससे पीले रंग की जर्सी पहने सेलेकाओ (ब्राजील की टीम) के प्रशंसकों का उत्साह कुछ समय के लिए ही कम हुआ, लेकिन कुन्हा ने जल्द ही उन्हें झूमने के लिए मजबूर कर दिया। राफिन्हा को चोट के कारण पहले हाफ में ही बाहर होना पड़ा था।

हैती के प्रशंसकों ने अपनी टीम का हौसला बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के पारंपरिक युद्धघोष 'ग्रेनेडिये अलासो' (ग्रेनेडियर्स आक्रमण पर) पर नृत्य किया और गीत गाए। ब्राज़ील के प्रशंसकों ने जवाब में नारे लगाए और हैती के प्रशंसकों को याद दिलाया कि उनका देश पांच बार का विश्व कप चैंपियन है और फुटबॉल के बादशाह का घर है। वह कह रहे थे, 'हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल। सिर्फ पेले, सिर्फ पेले, सिर्फ पेले' ने किए हैं।

महिला टी-20 विश्व कप : न्यूजीलैंड ने रोमांचक जीत से खोला खाता, भारत ग्रुप-ए में शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली । आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में आखिरकार डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 4 रनों से जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में अपना खाता खोल लिया है। वेस्टइंडीज और श्रीलंका से मिली शुरुआती दो हार के बाद कीवी टीम के लिए यह जीत बेहद जरूरी थी, हालांकि आयरलैंड ने उन्हें अंत तक कड़ी टक्कर दी। इस जीत के बावजूद, न्यूजीलैंड का सेमीफाइनल में पहुंचना अभी भी काफी कठिन है, क्योंकि उन्हें अपने बचे हुए मैचों में शानदार प्रदर्शन करना होगा और अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। वहीं, दूसरी ओर भारतीय टीम ने ग्रुप-ए में अपना दबदबा कायम रखते हुए शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी है। ग्रुप-बी के पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो न्यूजीलैंड इस जीत के साथ चौथे पायदान पर पहुंच पाई है। उनके ऊपर स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमें हैं। स्कॉटलैंड ने इस टूर्नामेंट में अभी तक दो मैच खेले हैं, जिसमें एक में उसे जीत मिली है और वेस्टइंडीज के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, जिससे वह तीसरे पायदान पर है। इंग्लैंड पहले और वेस्टइंडीज दूसरे स्थान पर काबिज हैं, दोनों ही टीमें अपने सभी मैच जीत चुकी हैं। सेमीफाइनल के लिए प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष-2 टीमें क्वालीफाई करेंगी, ऐसे में न्यूजीलैंड के लिए चुनौती काफी बड़ी है। न्यूजीलैंड को अपने बचे हुए दो मुकाबले स्कॉटलैंड और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों से खेलने हैं। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें हर हाल में ये दोनों मैच जीतने होंगे। एक भी गलती उन्हें टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा सकती है, और इन दो मैचों को जीतने के बाद भी उन्हें दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ सकता है।

बहस के दौरान मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बने अलमिरोन

सांता क्लारा (अमेरिका)। पराग्वे के मिडफील्डर मिगुएल अलमिरोन विश्व कप में मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह घटना पराग्वे और तुर्किए के बीच शुक्रवार रात को खेले गए ग्रुप डी के मैच के पहले हाफ के इंजरी टाइम के दौरान घटी, जब मिडफील्ड के पास फाउल के बाद अलमिरोन और मर्ट मुल्डर के बीच कहा-सुनी हो गई। अलमिरोन ने मुल्डर से कुछ कहते हुए अपना मुंह ढक लिया। इस पर मुल्डर ने तुरंत रेफरी इवान बार्टन से सजा देने की अपील की। बार्टन ने वीडियो समीक्षा का सहारा लिया और इस साल विश्व कप में लागू किए गए एक नए नियम के तहत अलमिरोन को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया। पराग्वे के कोच गुस्तावो अल्फारो ने कहा, 'नए नियम के अनुसार अगर आप मुंह ढकते हैं तो आपको मैदान से बाहर कर दिया जाएगा। मैं इसको लेकर कुछ नहीं कर सकता। हम इस पर कोई राय नहीं दे सकते।'

टीम इंडिया को बड़ा झटका:हार्दिक पंड्या इंग्लैंड दौरे से बाहर, विराट कोहली की फिटनेस पर भी सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवरों की सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। भारत के प्रमुख ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण इस महत्वपूर्ण दौरे से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिसने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हार्दिक की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन को प्रभावित करेगी, विशेष रूप से ऐसे समय में जब टीम एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का सामना कर रही है।

हार्दिक पंड्या हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे, जो उनकी चोट की गंभीरता को दर्शाता है। उन्हें यह चोट आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए लगी थी। हार्दिक, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, खासकर सीमित ओवरों के प्रारूप में। उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि टीम को उनकी जगह किसी ऐसे खिलाड़ी को ढूंढना होगा जो उनकी ऑलराउंड क्षमता की भरपाई कर सके, जो एक बड़ी चुनौती होगी। उनकी लगातार चोटें न केवल उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को बाधित कर रही हैं, बल्कि टीम के दीर्घकालिक योजनाओं पर भी असर डाल रही हैं।

दूसरी ओर, विराट कोहली की फिटनेस पर संदेह ने भी टीम प्रबंधन को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह चिंता का विषय है क्योंकि कोहली टीम की बल्लेबाजी रीढ़ की हड्डी हैं। उनके अनुभव और मैच जिताने की क्षमता को देखते हुए, उनकी किसी भी तरह की अनुपस्थिति या कम फिटनेस टीम के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। चयनकर्ता संभवतः उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए होंगे और अंतिम निर्णय से पहले उनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार करेंगे।

हालांकि, टीम के लिए कुछ राहत भरी खबर भी है। युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, वापसी कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के लिए चुनी जाने वाली वनडे टीम के लिए पूरी तरह से फिट घोषित किए गए हैं। इन सभी फिट खिलाड़ियों की सीओई (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) रिपोर्ट चयनकर्ताओं को भेज दी गई है। राहुल और पंत की वापसी टीम को बल्लेबाजी में गहराई और अनुभव प्रदान करेगी, जबकि बुमराह की तेज गेंदबाजी टीम के आक्रमण को धार देगी। ध्रुव जुरेल, जिन्होंने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है, अपनी युवा ऊर्जा और प्रतिभा के साथ टीम में एक नया आयाम जोड़ सकते हैं।

इन फिटनेस अपडेट्स के साथ, चयनकर्ताओं को अब हार्दिक पंड्या की जगह एक उपयुक्त ऑलराउंडर और विराट कोहली की

स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी क्रम में संभावित बदलावों पर विचार करना होगा। इंग्लैंड दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, और ऐसे में प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति या फिटनेस संबंधी चिंताएं टीम के लिए एक कठिन परीक्षा पेश करती हैं। टीम प्रबंधन और कोच राहुल द्रविड़ को इन चुनौतियों का सामना करते हुए एक संतुलित और मजबूत टीम का चयन करना होगा जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सके।

क्रिकेटर आकाश दीप और मुकेश कुमार बने बिहार में डीएसपी

-सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

नई दिल्ली । भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल चुके तेज गेंदबाज आकाश दीप और कुछ मैचों में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर चुके मुकेश कुमार को बिहार सरकार ने स्पोर्ट्स कोटा के तहत पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद के लिए अनुशंसित किया है। इस महत्वपूर्ण जानकारी को स्वयं आकाश दीप ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से साझा किया, जिसके बाद यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और मिश्रित प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। यह नियुक्ति बिहार सरकार की खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की नीति का हिस्सा मानी जा रही है। आकाश दीप ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बिहार सरकार और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की प्रशंसा करते हुए लिखा, अभिभूत हूं, विभोर हूं। बिहार सरकार द्वारा आज मुझे और मेरे साथी क्रिकेटर मुकेश को पुलिस उपाधीक्षक पद हेतु अनुशंसित किए जाने के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री अग्रज श्री सम्राट चौधरी एवं खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह जी को कोटिश: धन्यवाद। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे लिखा, आपकी खेल को प्रोत्साहन और खिलाड़ियों को सम्मान देने की नीति युवाओं को खेल में चमकने को प्रेरित करेंगी। जय भारत, जय बिहार। यह पोस्ट बिहार के क्रिकेट जगत में खुशी और गर्व का माहौल लेकर आया, लेकिन इसके नीचे की प्रतिक्रियाएं काफी दिलचस्प रहीं। भले ही आकाश दीप और मुकेश कुमार को स्पोर्ट्स कोटा के तहत यह प्रतिष्ठित पद दिया गया हो, लेकिन कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर सवाल उठाते हुए लिखा कि सब पोस्ट आप ही लोग ले लीजिएगा तो बेरोजगार लोग क्या करेंगे? इस तरह की टिप्पणियों और ट्रोलिंग से नियुक्ति के तरीके और सरकारी नौकरियों के वितरण को लेकर समाज में चल रही बहस एक बार फिर सामने आ गई। फिलहाल, मुकेश कुमार और आकाश दीप दोनों ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन वे आईपीएल में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं।

संक्षिप्त समाचार

विटकॉफ का दावा- ईरान देगा परमाणु ठिकानों की जांच की इजाजत, मोजतबा की पहली प्रतिक्रिया सामने आई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ सीधी वार्ता का समर्थन किया है। सरकारी मीडिया में पढ़े गए बयान में उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाली आमने-सामने की बातचीत का मतलब यह नहीं होगा कि ईरान विरोधी पक्ष की बात मान लेगा। यह बयान अमेरिका-ईरान के बीच हाल ही में हुए उस समझौते पर उनकी पहली प्रतिक्रिया है, जिसमें दोनों देशों ने तनाव कम करने की दिशा में कदम उठाए हैं। खामेनेई लंबे समय से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। माना जा रहा है कि युद्ध की शुरुआत में हुए हमले में वे घायल हुए थे। वहीं, अमेरिकी सेना ने ईरानी नौवहन पर लगी नाकाबंदी हटाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने अमेरिका के सांसदों को एक बंद कमरे में में बताया कि ईरान संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था को अपने परमाणु ठिकानों का निरीक्षण करने के लिए आमंत्रित करेगा। इस जानकारी के अनुसार, ईरान यह भी अनुमति देगा कि उसकी संवर्धित परमाणु सामग्री कहां-कहां है, इसका पता लगाया जाए और उसकी पहचान की जाए। यह बैठक कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के सदस्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी समितियों के सदस्यों के साथ हुई। बैठक में बताया गया कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते में कोई अतिरिक्त गोपनीय समझौता शामिल नहीं था। लेकिन ईरान और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बीच एक अलग पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र के तहत ईरान ने आईएईए को अपने परमाणु स्थलों के निरीक्षण का आमंत्रण दिया है। इस बात का खुलासा भी विटकॉफ ने बैठक में किया। विटकॉफ ने यह भी बताया कि यह पत्र आईएईए प्रमुख राफेल मारियानो ग्रोसी को भेजा जाएगा, जिससे अमेरिकी परमाणु निरीक्षकों को भी तेहरान में जांच करने की अनुमति मिल सकेगी।

वीवाटेक समिट में भारत पर रहा फोकस' : विक्रम मिसरी बोले-15 जुलाई से शुरू होगा भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता

फ्रांस, एजेंसी। पेरिस में आयोजित यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी महाकुंभ 'वीवाटेक' में इस बार भारत का जबरदस्त जलवा देखने को मिला। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने गुरुवार को एक विशेष प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि इस प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिस्सा लिया। इस समिट में भारत 'एआई कंट्री ऑफ फोकस' और 'एआई पार्टनर कंट्री' के रूप में शामिल हुआ। भारत ने इस मंच का उपयोग देश की तकनीकी प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को दुनिया के सामने रखने के लिए किया। इस समिट में वैश्विक तकनीकी लीडर्स, स्टार्टअप्स और निवेशक एक साथ जुटे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रधानमंत्री के फ्रांस दौरे पर जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने तकनीक के क्षेत्र में भारत में हो रहे नए आविष्कारों को सामने रखा। विदेश सचिव के अनुसार, पीएम मोदी ने एआई को लेकर भारत के दृष्टिकोण को दुनिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक क्रांतिकारी तकनीक है और इसका मुख्य उद्देश्य हमेशा मानवता की सेवा करना होना चाहिए। मानव को तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। पीएम मोदी ने टेक कंपनियों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार नियमों को आसान बना रही है और व्यापार को बढ़ावा दे रही है।

प्रिय मित्र नरेंद्र, फ्रांस आपसे प्यार करता है' : मैक्रों ने हिंदी बोलकर बढ़ाई देश की शान, 2027 में आएंगे भारत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़कर एक अनोखा काम किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए हिंदी में विदाई संदेश जारी किया है। पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा खत्म होने पर यह वीडियो संदेश आया। मैक्रों ने हिंदी बोलकर दोनों नेताओं की गहरी दोस्ती को दुनिया के सामने दिखाया है। इसके साथ ही दोनों देशों के मजबूत रिश्तों को एक नया रूप मिला है। एलिसी पैलेस ने इस खास वीडियो को रिकॉर्ड किया है। वीडियो में राष्ट्रपति मैक्रों बेहद अपनेपन से हिंदी बोलते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'प्रिय मित्र नरेंद्र, मुझे बहुत खुशी हुई आपका नीस, एवियन और पेरिस में स्वागत करके। फ्रांस और भारत की दोस्ती अमर रहे।' यह लाइन बोलने के तुरंत बाद मैक्रों मुस्कुरा दिए। फिर उन्होंने अंग्रेजी में कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह सही था।' इसके बाद उन्होंने दिल की बात की। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस आपसे प्यार करता है...आप मेरे सच्चे दोस्त हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने फ्रांस गए थे। इस दौरान नीस शहर के 'विला केरीलोस' में दोनों नेताओं के बीच बड़ी बैठक हुई। बैठक का मुख्य मकसद दोनों देशों के बीच विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था। इस मुलाकात में रक्षा क्षेत्र में मिलकर हथियार बनाने पर सहमति बनी।

यूएन से आई चौंकाने वाली रिपोर्ट: युद्धों में बच्चों पर टूटा कहर, पहली बार सरकारी सेनाएं बनीं सबसे बड़ी दोषी

न्यूयार्क, एजेंसी। संघर्ष और युद्ध क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दुनिया भर में करीब 25,000 बच्चे हत्या, यौन हिंसा, अपहरण और जबरन लड़ाई में भर्ती किए जाने जैसे गंभीर अपराधों का शिकार हुए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 30 वर्षों में पहली बार सरकारी सेनाएं बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाई गई हैं।

लगातार चौथे साल बढ़े बच्चों के खिलाफ अपराध : UN की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों के खिलाफ दर्ज गंभीर उल्लंघनों की संख्या लगातार चौथे वर्ष बढ़ी है। वर्ष 2025 में ऐसे 38,558 मामले सत्यापित किए गए, जिनमें बच्चों की हत्या, अपहरण, स्कूलों और अस्पतालों पर हमले तथा मानवीय सहायता रोकने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

24 हजार से ज्यादा बच्चे हुए प्रभावित : रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल 24,174 बच्चे इन घटनाओं से प्रभावित हुए। इनमें लगभग एक-तिहाई लड़कियां थीं। कई बच्चों को एक साथ कई तरह की हिंसा और अत्याचारों का सामना करना पड़ा।

30 साल में पहली बार बदली तस्वीर : संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों पर होने वाले अत्याचारों की निगरानी शुरू होने के तीन दशक बाद पहली बार सरकारी बल अधिकांश गंभीर उल्लंघनों के लिए

जिम्मेदार पाए गए हैं। पहले आमतौर पर सशस्त्र विद्रोही और आतंकी समूह ऐसे मामलों में प्रमुख दोषी माने जाते थे।

इस्राइली सेना सबसे ऊपर, कांगो दूसरे नंबर पर : रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 के दौरान सबसे ज्यादा 12,445 उल्लंघन इस्राइली सेना और उससे जुड़ी सुरक्षा एजेंसियों के खाते में दर्ज किए गए। इसके बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में 4,114 मामले सामने आए। म्यांमार, सोमालिया और नाइजीरिया के विभिन्न सशस्त्र समूहों द्वारा भी 2,000 से अधिक गंभीर उल्लंघन किए गए। सूची में सूडान, दक्षिण सूडान, सीरिया और यूक्रेन में रूसी सैन्य बलों का भी उल्लेख है।

बच्चों की मौत और चोट के मामलों में भी सरकारी बल आगे : रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सेनाएं 6,266 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार पाई गईं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है। वहीं 7,958 बच्चों के घायल होने की पुष्टि हुई है।

गाजा में हजारों बच्चों की मौत : संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि गाजा में इस्राइल सैन्य कार्रवाई के दौरान 2,668 फ़िलिस्तीनी बच्चों की मौत हुई। इसके अलावा पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में 55 बच्चों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गाजा में 4,588 अतिरिक्त बच्चों की मौत और 346 इस्राइल बच्चों के घायल होने की खबरों की जांच अभी जारी है।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई गहरी चिंता : संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि बच्चों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का पैमाना बेहद चिंताजनक है और अब केवल चिंता जताने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने सदस्य देशों से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की।

आखिर क्यों बढ़ रहे हैं ऐसे मामले : विशेषज्ञों के मुताबिक, युद्ध की बदलती प्रकृति इसकी बड़ी वजह है। अब लड़ाइयां खुले मैदानों के बजाय घनी आबादी वाले शहरों और बस्तियों में लड़ी जा रही हैं। ड्रोन, मिसाइलों और भारी विस्फोटक हथियारों के बढ़ते इस्तेमाल से बच्चों पर खतरा और बढ़ गया है।

हजारों बच्चों को जबरन बनाया गया लड़ाका : रिपोर्ट के अनुसार, 6,607 बच्चों को जबरन भर्ती कर युद्ध में इस्तेमाल किया गया। सबसे ज्यादा मामले कांगो, नाइजीरिया, हैती, सोमालिया और कोलंबिया में दर्ज हुए।

अपहरण और यौन हिंसा भी बड़ी चिंता : संयुक्त राष्ट्र ने 5,129 बच्चों के अपहरण की पुष्टि की है। सबसे अधिक मामले नाइजीरिया, कांगो, सोमालिया, म्यांमार और मोजाम्बिक में सामने आए। वहीं 1,783 बच्चे बलात्कार और अन्य प्रकार की यौन हिंसा के शिकार हुए। ऐसे मामलों में कांगो, नाइजीरिया, सोमालिया, सूडान और हैती सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र का संदेश: बच्चों की सुरक्षा का कोई विकल्प नहीं : रिपोर्ट का सबसे बड़ा संदेश यही है कि दुनिया भर में बढ़ते संघर्षों का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि यदि सरकारें और अंतरराष्ट्रीय समुदाय तुरंत ठोस कदम नहीं उठाते, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गंभीर हो सकता है।

नाइजर की राजधानी के एयरपोर्ट पर बड़ा आतंकी हमला; 11 सैनिक, दो नागरिकों की मौत; 22 हमलावर ढेर

नियामे, एजेंसी। अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामी में स्थित मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार तड़के हथियारबंद हमलावरों ने बड़ा हमला कर दिया। इस हमले में 11 सैनिकों और दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में 22 हमलावर भी मारे गए। नाइजर के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमलावरों ने राजधानी के डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया था। सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमले को विफल कर दिया। इस दौरान 20 संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

हमले के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने की कार्रवाई : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमले के दौरान एयरपोर्ट क्षेत्र में गोलियों की आवाजें और विस्फोट सुनाई दिए। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और एयरपोर्ट जाने वाले रास्तों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, कुछ घंटों बाद नाइजर की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन एजेंसी ने कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य रूप से जारी है और उड़ानों पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। यह इस साल एयरपोर्ट पर हुआ दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले जनवरी में भी इसी एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया था। उस हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी। तब एयरपोर्ट पर मौजूद नाइजर के ड्रोन ठिकानों को निशाना बनाया गया था। डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नाइजर के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां नाइजर वायुसेना का बेस मौजूद है। साथ ही नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय भी इसी परिसर में स्थित है। विशेषज्ञों का कहना है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा जनवरी के हमले के बाद बढ़ाई गई थी, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में सक्रिय जिहादी संगठन लगातार खतरा बने हुए हैं। नाइजर, बुर्किना फासो और माली जैसे साहेल क्षेत्र के देश लंबे समय से आतंकवादी हिंसा का सामना कर रहे हैं।

2023 में तख्तापलट सत्ता में है सेना समर्थित सरकार : गौरतलब है कि नाइजर में 2023 में सैन्य तख्तापलट के बाद सेना समर्थित सरकार सत्ता में है। इसके बावजूद देश में आतंकवादी हमलों और हिंसक गतिविधियों पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट का सामरिक महत्व और संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय होने के कारण आतंकवादी संगठन इसे बार-बार निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

अमेरिका में गोलीबारी की तीन बड़ी घटनाओं से हड़कंप, न्यूयॉर्क से मिसिसिपी और कंसास सिटी तक तनाव

न्यूयॉर्क/मिसिसिपी/कंसास सिटी, एजेंसी। अमेरिका में एक ही दिन के दौरान हुई तीन अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर, मिसिसिपी के सेनाटोबिया और मिसौरी के कंसास सिटी में हुई घटनाओं ने लोगों में दहशत फैला दी। न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर में गुरुवार दोपहर अचानक गोलीबारी होने से अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो लोग भीड़भाड़ वाले इलाके में आए और पिस्तौल जैसी दिखने वाली बंदूकों से फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही लोग इधर-उधर भागने लगे और कई लोग जमीन पर झुककर छिप गए। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए संदिग्ध का पीछा किया। घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह गोलीबारी ऐसे समय हुई जब एनबीए चैंपियन न्यूयॉर्क निक्स की जीत के जश्न के बाद शहर में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। मिसिसिपी के छोटे से शहर सेनाटोबिया में पुलिस की गोली लगने से एक साल के बच्चे कोहेन वाइली की मौत हो गई। पुलिस एक दुकान से कथित चोरी की शिकायत पर कार्रवाई कर रही थी। पुलिस का दावा है कि संदिग्ध वाहन ने अधिकारियों को टक्कर मारने की कोशिश की, जिसके बाद एक अधिकारी ने गोली चला दी। हालांकि बच्चे की मां ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि वाहन पुलिसकर्मियों की ओर नहीं जा रहा था। घटना के बाद शहर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे पुलिस जवाबदेही और नस्लीय भेदभाव से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर की बेटी बर्निस किंग ने कहा कि कुछ डायपरों की कथित चोरी के मामले में एक बच्चे की जान चली जाना नैतिक विफलता है। मिसौरी के कंसास सिटी में कुछ ही मिनटों के भीतर हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, एक 22 वर्षीय संदिग्ध ने अलग-अलग स्थानों पर वाहनों को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं।

समझौते पर खामेनेई का पहला बयान, कहा- ट्रंप को मजबूरी में करना पड़ा एमवयू, यूएस झुका या ईरान जीता

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की पुष्टि करते हुए एक खास पोस्ट में कहा कि यह समझौता ईरान की उत्सुकता से नहीं, बल्कि अमेरिका की मजबूरी की वजह से हुआ है। खामेनेई ने अपने पोस्ट में लिखा, 'जैसा कि आपको बताया गया है, ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।' ईरानी अधिकारियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए ईमानदारी से काम किया था, लेकिन अमेरिकी पक्ष ने ही सबसे अधिक जोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ही मजबूरी में आकर इसे अंजाम देने के लिए हर तरह के दबाव और तरीकों का इस्तेमाल किया।

समझौते पर थी आपत्ति, फिर भी क्यों दी मंजूरी : खामेनेई

ने माना कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस समझौते को लेकर कुछ आपत्तियां थीं। उन्होंने कहा, 'सिद्धांत के तौर पर मेरी राय अलग थी,' लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने ईरानी राष्ट्र और 'रेसिस्टेंस फ्रंट' (प्रतिरोध मोर्चा) के अधिकारों की रक्षा करने के ईरानी राष्ट्रपति के वादे के आधार पर अपनी मंजूरी दे दी।

अमेरिका ने सीमा लांघी तो नहीं झुकेगा ईरान : हालांकि खामेनेई ने इस पोस्य में यह भी कहा कि अगर अमेरिका तय की गई बातों से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो ईरान झुकेगा नहीं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर अमेरिकी पक्ष हद से ज्यादा मांगें रखने की कोशिश करेगा, तो वे उन्हें नहीं मानेंगे। उन्होंने खुद को 'विनम्र सेवक' बताते हुए सीधे अपने देश को संबोधित किया और ईरानियों से तय शर्तों के पूरा होने का इंतजार करने को कहा।

वर्साय के महल में हुई ऐतिहासिक घोषणा : समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर जी7 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा वर्साय के महल में आयोजित रात्रिभोज के दौरान किए गए। मैक्रों ने एक्स पर इस घटनाक्रम की घोषणा करते हुए समझौते को ऐसा बताया जो 'स्थायी शांति का रास्ता बनाता है और होर्मुज़ को फिर से खोलने की अनुमति देता है।' औपचारिक हस्ताक्षर मूल रूप से शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाले थे। तेहरान ने पुष्टि की कि जिनेवा में होने वाली नियोजित बैठक तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। इस दस्तावेज़ का औपचारिक शीर्षक 'संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' है। इसमें लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग की गई है। इस शर्तों के तहत अमेरिका ने 30 दिनों के भीतर ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी हटाने का वादा किया है। इस दौरान जहाजों की आवाजाही के युद्ध-पूर्व स्तर पर लौटने की उम्मीद है। अमेरिका अंतिम समझौता होने के 30 दिनों के भीतर ईरान के आसपास से अपनी सेना हटाने पर भी सहमत हो गया है। अपनी ओर से ईरान 60 दिनों तक बिना किसी शुल्क के वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने पर सहमत हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय महिला शांति सैनिकों की सराहना, संघर्ष क्षेत्र में महिलाओं को दे रहीं नई उम्मीद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि भारतीय महिला शांति सैनिक संघर्ष क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के लिए उम्मीद की किरण बन रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 160 से अधिक भारतीय महिलाएं अलग-अलग यूएन मिशनों में सेवा दे रही हैं। सुरक्षा परिषद में 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' विषय पर हुई बहस में पी. हरीश ने कहा कि महिला सैनिक समुदायों में भरोसा पैदा करती हैं और खासकर महिलाओं व बच्चों को सुरक्षा का एहसास दिलाती हैं। वे लैंगिक हिंसा जैसे मामलों को समझने और रोकने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा

बराक का जिक्र किया, जिन्हें हाल ही में संयुक्त राष्ट्र का जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड मिला है। इससे पहले भी दो भारतीय महिलाएं यह सम्मान पा चुकी हैं।

भारत की ऐतिहासिक पहल : भारत ने सबसे पहले लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत पूरी तरह महिला यूनिट तैनात की थी। इससे हजारों स्थानीय महिलाओं को पुलिस में शामिल होने की प्रेरणा मिली। दिल्ली में बनाए गए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र के जरिए भारत दुनिया भर की महिला सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दे रहा है। पिछले साल 15 देशों की महिलाओं ने इसमें हिस्सा लिया, जबकि 35 देशों की महिला शांतिदूत एक सम्मेलन में शामिल हुईं।

महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : पी. हरीश ने कहा कि शांति कायम रखने के प्रयास तभी सफल होंगे जब महिलाओं को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने भारत में पंचायतों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण और 2023 के महिला आरक्षण कानून का उदाहरण दिया। भारत में महिलाओं ने ऊंचे पदों पर भी अहम भूमिका निभाई है, जैसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी। संयुक्त राष्ट्र - महिला की प्रमुख सीमा बहौस ने कहा कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण शांति स्थापित करने के सबसे प्रभावी तरीके हैं। उन्होंने बताया कि 2000 में पास किए गए प्रस्ताव के बाद यह साबित हुआ है कि महिलाओं की भागीदारी से हिंसा कम होती है और शांति लंबे समय तक टिकती है। वहीं महिला अधिकार कार्यकर्ता काव्या असोका ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून कमजोर हो रहा है और सिर्फ निंदा से काम नहीं चलेगा। उन्होंने हथियारों की आपूर्ति रोकने जैसे ठोस कदम उठाने की मांग की।

अंतरिम समझौते से तेहरान को बड़ी आर्थिक राहत, परमाणु मुद्दे पर कठिन फैसले टले

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध रोकने को लेकर हुए अंतरिम समझौते से ईरान को महत्वपूर्ण आर्थिक राहत मिलने जा रही है। इस 14 सूत्रीय अंतरिम समझौते ने दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर सबसे विवादित मुद्दों पर अंतिम फैसले को आगे की बातचीत के लिए टाल दिया है। अप्रैल में घोषित युद्ध विराम को अगले 60 दिनों के लिए बढ़ाया गया है, ताकि दोनों पक्ष स्थायी शांति समझौते पर बातचीत कर सकें। समझौते के तहत अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर लगाए गए नौसैनिक प्रतिबंधों को हटाएगा और ईरान को तेल निर्यात की अनुमति देने के लिए अस्थायी छूट देगा। इससे आर्थिक संकट से जूझ रहे ईरान को बड़ी राहत मिल सकती है।

शुरुआती समझौता ईरान के पक्ष में अधिक : ग्राजेव्स्की : इस समझौते को ईरान के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। समझौते के तहत अमेरिका ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाएगा और बंदरगाहों को खोलेगा। ईरान की फ्रीज की गई अरबों डॉलर की संपत्ति को बहाल करेगा। साथ ही युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर का निवेश कोष बनाएगा। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्लेषक निकोल ग्राजेव्स्की ने कहा कि मौजूदा समझौता तत्काल लाभों के लिहाज से ईरान के पक्ष में अधिक दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जिन कठिन कदमों की मांग कर रहा था, उनमें से कई को आगे की वार्ता के लिए टाल दिया गया है। ईरान के साथ कूटनीति के समर्थकों ने समझौते का खुस्वागत

किया है। नेशनल ईरानियन अमेरिकन काउंसिल के अध्यक्ष जमाल अब्दी ने कहा कि इसे रियायत के बजाय लंबे समय से चली आ रही दबाव की नीति में बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वहीं, अमेरिका में ईरान के प्रति सख्त रुख रखने वाले समूहों ने तेल निर्यात और बैंकिंग प्रतिबंधों में ढील को लेकर चिंता जताई है। साथ ही अन्य विशेषज्ञों ने भी इसे ईरान के लिए अच्छा बताया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा, ईरानी जहाज बिना किसी बाधा बंदरगाहों में दाखिल हुए हैं और बिना किसी रुकावट के सामान भी उतारा गया है। बघाई ने कहा, जब अमेरिका और ईरान के राष्ट्रपतियों डोनाल्ड ट्रंप और मसूद पेजेशकियन ने किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, तो उसका उल्लंघन करने की कीमत भी ज्यादा चुकानी होगी। ईरानी प्रवक्ता ने कहा, हमने तय किया कि बेहतर विकल्प यह है कि दोनों देशों के राष्ट्रपति किसी खास जगह पर मौजूद रहे बिना, वर्चुअली दस्तावेज पर हस्ताक्षर करें। इस फैसले के कई कारण हैं, जिनमें सबसे अहम यह है कि जब दस्तावेज पर दोनों देशों के सबसे बड़े अधिकारियों के हस्ताक्षर होंगे, तो इसके उल्लंघन की कीमत भी ज्यादा होगी।

विशेष चुनाव में जीते लेबर पार्टी नेता बर्नहैम, पीएम स्टार्मर के सामने पद बरकरार रखना चुनौती

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एंडी बर्नहैम ने विशेष चुनाव में जीत हासिल की है। इस जीत के बाद वे प्रधानमंत्री स्टार्मर को चुनौती दे सकते हैं। शुक्रवार को घोषित नतीजों के बाद बर्नहैम लेबर पार्टी के नेता के अलावा देश में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार बनकर उभरे हैं। बर्नहैम ने उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के मेकरफील्ड सीट पर रिफॉर्म यूके के रॉब केन्यॉन को हराया। उन्होंने वादा किया है कि यदि लोग उन पर भरोसा करते हैं, तो वह राजनीति बदल देंगे। ब्रिटेन की संसद- हाउस ऑफ कॉमन्स के 650 सांसदों में से एक राजनेता- बर्नहैम के इस दावे को बड़ा माना जा रहा है।

लेबर पार्टी के सांसदों ने मांगा स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की : बर्नहैम ने चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद कहा कि वह बदलाव की लड़ाई को जितना ऊंचा ले जा सकते हैं, ले जाएंगे। जुलाई 2024 में शानदार चुनावी जीत के बाद से स्टार्मर की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। वह आर्थिक वृद्धि, सार्वजनिक सेवाओं की मरम्मत और जीवन-यापन की लागत को कम करने में संघर्ष कर रहे हैं। वह बार-बार की गई गलतियों से भी जूझ रहे हैं। इनमें पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में राजदूत नियुक्त करने का उनका निर्णय शामिल है। मैंडेलसन जेफरी एपस्टीन के एक विवादित मित्र हैं। मई के स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद कई लेबर पार्टी के सांसदों ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की।

क्या स्टार्मर पर बढ़ रहा पद छोड़ने का दबाव : स्टार्मर ने पद छोड़ने से इन्कार कर दिया है, लेकिन उनके वरिष्ठ सहयोगी बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं। मई में वेस स्ट्रीटइंग ने स्वास्थ्य सचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि जहां हमें दूरदर्शिता की आवश्यकता है, वहां एक शून्य है। मेकरफील्ड के लेबर सांसद जोश साइमन ने बर्नहैम को संसद में लौटने का अवसर देने के लिए इस्तीफा दिया। ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली गवर्निंग पार्टियों को

मध्यावधि में नेता बदलने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में विजेता को राष्ट्रीय चुनाव की आवश्यकता के बिना प्रधानमंत्री बना दिया जाता है। लेबर नियमों के तहत, एक सांसद पार्टी के हाउस ऑफ कॉमन्स के एक-पांचवें यानी 81 सांसदों के समर्थन से नेता को चुनौती दे सकता है।

देश में नेतृत्व की दौड़ में कौन, बर्नहैम की दावेदारी कितनी मजबूत : स्ट्रीटइंग ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि स्टार्मर पद छोड़ने के लिए सहमत होंगे। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एक प्रतियोगिता की आवश्यकता होगी और वह इसके लिए तैयार होंगे। स्ट्रीटइंग संसदीय सहयोगियों के बीच समर्थन आधार वाले एक आश्वस्त संचारक हैं। हालांकि, बर्नहैम को स्टार्मर का अधिक संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है। 56 वर्षीय राजनेता को 'किंग ऑफ द नॉर्थ' उपनाम दिया गया है। उन्होंने 2017 से मैनचेस्टर का नेतृत्व किया है। इस दौरान उन्होंने शहर के तीव्र पुनरुद्धार की देखरेख की है। मैनचेस्टर वह शहर है जहां औद्योगिक क्रांति का जन्म हुआ था। बर्नहैम राष्ट्रीय स्तर पर अपने 'मैनचेस्टरवाद' को दोहराने का वादा कर रहे हैं।

स्टार्मर का रुख और देश की राजनीति में आगे की राह कैसी : ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री स्टार्मर ने शांत रहने और अपना काम जारी रखने की कोशिश की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका पद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने इस सप्ताह फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन में कहा कि यदि कोई चुनौती आती है तो वह लड़ेंगे। स्टार्मर ने 2024 में एक महत्वपूर्ण आम चुनाव जीता था।

उन्होंने बदलाव लाने के जनादेश का हवाला दिया। स्टार्मर ने बुधवार को स्काई न्यूज को बताया कि वह बर्नहैम को कैबिनेट पद की पेशकश कर सकते हैं। बर्नहैम के सहयोगियों ने संकेत दिया कि वह इसमें दिलचस्पी नहीं रखते। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रॉब फोर्ड ने कहा कि बर्नहैम के संसद में लौटने के बाद स्टारर पर दबाव का विरोध करना बहुत मुश्किल होगा। फोर्ड ने यह भी कहा कि मेकरफील्ड में रिफॉर्म यूके को हराने से बर्नहैम की लेबर की सबसे बड़ी संपत्ति होने की दावेदारी मजबूत होती है।

परभणी में हनुमान मंदिर की छत गिरी

7 की मौत, 25 घायल

• शनिवार को प्रसाद लेने के लिए भीड़ जुटी थी

एजेंसी

परभणी। महाराष्ट्र के परभणी जिले में यशवाड़ी देवस्थान में हनुमान मंदिर के हॉल की निर्माणाधीन छत शनिवार दोपहर गिर गई। मलबे में में दबने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था।

दोपहर के समय लोग प्रसाद ले रहे थे। अचानक मंदिर का स्ट्रक्चर और पत्थर भरभराकर गिर पड़े। हादसे का CCTV फुटेज भी सामने आया है। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया। शनिवार होने के

कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। यशवाड़ी गांव मनवत रोड पर स्थित है, जो छत्रपति संभाजीनगर से लगभग 190 किलोमीटर दूर है। यहां त्रिमूर्ति मंदिर में हनुमान जी की काली प्रतिमा स्थापित

मंडप में मौजूद लोगों ने मलबा हटाया

रिपोर्ट्स के मुताबिक परभणी के हनुमान मंदिर के ठीक सामने सभा मंडप का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी सभा मंडप की छत अचानक ढह गई। जिला कलेक्टर संजय चव्हाण, उपमंडल अधिकारी संगीता चव्हाण और तहसीलदार पांडुरंग माछेवाड़ ने बताया कि 32 लोगों में से 7 की मौत हो गई और 25 गंभीर रूप से घायल हो गए। आपदा प्रबंधन अधिकारी, पथरी अग्निशमन विभाग, मानवत लोक निर्माण विभाग, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सा दल, परभणी नगर निगम और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बचाव अभियान पूरा किया गया।

पूर्वी भारत अब प्रगति का प्रवेश द्वार

ओडिशा को मिले 20 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव : मोदी

राष्ट्रपति मुर्मु के गांव पहाड़पुर को 'सूर्य ग्राम' बनाने की घोषणा, 47,600 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

एजेंसी

रायरंगपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान पिछड़ेपन का प्रतीक बना पूर्वी भारत अब देश की प्रगति और विकास का प्रवेश द्वार बन रहा है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में भाजपा सरकार राज्य के संसाधनों को संभावनाओं में बदल रही है और 'उत्कर्ष ओडिशा' पहल के तहत राज्य को लगभग 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि ओडिशा आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक प्रगति और विकसित भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका

निभाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री मोदी ने मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में ओडिशा सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में 47,600 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरिबाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री केवी सिंहदेव और प्रभाती परिडा, मंत्री गणेशराम सिंहखुंटिया, डॉ. कृष्णचंद्र महापात्र, सांसद नव चरण माझी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल तथा सांसद बैजयंत पांडा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत राष्ट्रपति मुर्मु को जन्मदिन की शुभकामनाएं देकर की। उन्होंने कहा कि मयूरभंज की बेटी आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को सुशोभित कर रही हैं, जो पूरे ओडिशा और देश के लिए गौरव का विषय है। मोदी ने बताया कि उन्हें राष्ट्रपति के गांव पहाड़पुर जाकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने का अवसर मिला। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा स्थापित विद्यालय का भी दौरा किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों ने राष्ट्रपति को अपने लिए 'मां' बताया, जो उनके प्रति लोगों के गहरे स्नेह और आत्मीयता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु के गांव पहाड़पुर को 'सूर्य ग्राम' के रूप में विकसित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत गांव को सौर ऊर्जा आधारित आत्मनिर्भर मॉडल गांव बनाया जाएगा। इससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने जारी की पीएम किसान योजना की 23वीं किस्त

9.44 करोड़ किसानों के खातों में भेजे गए 18,880 करोड़ रुपए

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी कर दी है। इस किस्त के तहत देश भर के 9.44 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 18,880 करोड़ रुपए से अधिक की राशि भेजी गई। 23वीं किस्त जारी होने के साथ ही पीएम किसान योजना के तहत किसानों को वितरित की गई कुल राशि 4.28 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। यह योजना दुनिया की

सबसे बड़ी डीबीटी योजनाओं में से एक मानी जाती है, जिसका उद्देश्य किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी आय को मजबूत बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के कल्याण और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम कर रही है तथा तकनीक और आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल दिवस समारोह में शामिल हुए पीएम मोदी,

सीएम शुभेंदु ने सौंपे बंगाल की अस्मिता से जुड़े उपहार

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को हुगली जिले के तारकेश्वर पहुंचे। तारकेश्वर में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री का स्वागत डोकरा कला की दुर्गा प्रतिमा, तारकनाथ मंदिर का चित्र, रसगुल्ला और जलभरा संदेश भेंट कर किया। प्रधानमंत्री शनिवार दोपहर दमदम हवाई अड्डे पहुंचे। वहां से वह हेलीकॉप्टर से तारकेश्वर के लिए रवाना हुए और शाम 4 बजे के बाद सभा स्थल पहुंचे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पहले ही वहां मौजूद थे। इस दौरान राज्यपाल आरएन रवि भी उपस्थित रहे। राज्य में सरकार परिवर्तन के बाद पहली

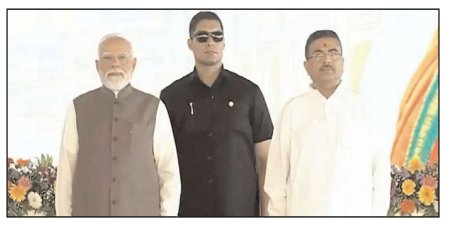

बार 20 जून को पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इससे पहले ममता बनर्जी की सरकार में पहला बैशाख को पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में मनाया जाता था। नई सरकार ने 20 जून को पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के गांव पाहाड़पुर में प्रधानमंत्री मोदी ने की गोसानी पीठ में पूजा-अर्चना

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने एक दिवसीय मयुरभंज दौरे के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ ओडिशा के पाहाड़पुर गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संथाली व हो जाहिरा गोसानी पीठ में पूजा-अर्चना करने के साथ साथ वहा चल रहे स्कूल व स्किल सेंटर का भी दौरा किया। सोशल मीडिया के जरिये प्रधानमंत्री ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यह यात्रा उनके लिए सौभाग्य और प्रेरणादायक अनुभव रही। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ गोसानी पीठ में पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि गोसानी पीठ का जनजातीय संस्कृति में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है । प्रधानमंत्री ने कहा कि यह स्थल जनजातीय समाज की आस्था और परंपराओं का जीवंत प्रतीक है।

मनोहर लाल ने उज्जैन में किया सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

मुख्यमंत्री बोले-प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 को भव्य-दिव्य बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही सरकार

एजेंसी

उज्जैन। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को उज्जैन में सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 778 करोड़ रुपये राशि की लागत से किए जा रहे 29.15 किमी लंबे नवीन घाट निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का सिंहस्थ अनुभव सनातन संस्कृति के वैभव अनुरूप हो। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश

राजौरा ने नवनिर्मित त्रिवेणी घाट के निरीक्षण के दौरान सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए किए जा रहे नवीन घाट निर्माण कार्य की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 29.15 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य 778 करोड़ रुपये राशि से किया जा रहा है। नवीन घाटों पर श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए 150 से अधिक स्थान चिन्हित किए गए हैं। नवीन घाट निर्माण कार्य अंतर्गत 18.20 किमी लंबी रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जा चुका है, साथ ही 7 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग 22 किमी में घाट निर्माण कार्य तेजी से प्रगतिरत है।

मप्र के दतिया के पीतांबरा पीठ पहुंचे योगी आदित्यनाथ

मां बगलामुखी के किए दर्शन

एजेंसी

दतिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अल्प प्रवास पर मध्य प्रदेश के दतिया पहुंचे और विश्व प्रसिद्ध श्री पीतांबरा पीठ में मां बगलामुखी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इसके बाद वे परिसर में स्थित महाभारतकालीन प्राचीन वनखंडेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर ट्रस्ट की ओर से उन्हें मां की चुनरी और प्रसाद भेंट किया गया। सुरक्षा व्यवस्था के रहे विशेष इंतजाममुख्यमंत्री आदित्यनाथ के आगमन को लेकर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। वीआईपी मूवमेंट के चलते मंदिर परिसर को करीब डेढ़ घंटे तक आम श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह बंद रखा गया।

अमित शाह ने किया, महालक्ष्मी मंदिर की विकास परियोजना का शुभारंभ

इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी पत्नी के साथ श्री अंबाबाई के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की।

एजेंसी

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित सुप्रसिद्ध श्री महालक्ष्मी मंदिर के पुनरोद्धार की एक परियोजना का आज यहां शुभारंभ किया गया। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे की मौजूदगी में 1445.97 करोड़ रुपये की करवीर निवासिनी श्री अंबाबाई मंदिर के संरक्षण, संवर्धन और परिसर विकास परियोजना की शुरुआत की। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी पत्नी के साथ श्री अंबाबाई के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद राम मंदिर में उत्सवमूर्ति की पूजा की गई इसके बाद मंदिर परिसर में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला का अनावरण भी किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी डॉ.

विजय राठौड़ ने नए परिक्रमा मार्ग सहित मुख्य मंदिर के संरक्षण, संवर्धन और विकास कार्यों की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्रिमंडल में कोल्हापुर के पालकमंत्री प्रकाश आबिटकर, मंत्री चंद्रकांत पाटील, हसन मुश्रीफ, एडवोकेट आशीष शेलार, संजय सावकारे, मकरंद पाटील, माधुरी मिसाल सहित कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। ।कोल्हापूर का श्री महालक्ष्मी मंदिर भारत के प्राचीन, जागृत और प्रमुख शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। लगभग एक हजार वर्ष से अधिक इतिहास वाले इस मंदिर का उल्लेख विभिन्न पुराणों और ऐतिहासिक ग्रंथों में मिलता है। हेमाडपंथी स्थापत्य शैली, समृद्ध शिल्पकला और धार्मिक परंपराओं का अद्वितीय संगम यह मंदिर देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।

12 दिन से अटका मानसून 23 जून से आगे बढ़ेगा

एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा के ऊपर चक्रवाती सिस्टम एक्टिव; बिहार-झारखंड में बिजली गिरने से 14 मौतें

एजेंसी

उज्जैन। 12 दिनों से तेलंगाना में अटका मानसून अब आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 23 जून तक इसके छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मानसून के लिए जरूरी सिस्टम सक्रिय हो गया है।

इससे मध्य भारत में चक्रवातीय घेरा बना हुआ है, जिससे मानसून के बादल उत्तर भारत की तरफ आ सकते हैं। मानसून 15 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना में अटका हुआ है। बिहार में

बिजली गिरने से 6 लोगों की और झारखंड में 8 लोगों की जान गई। राजस्थान के 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 21 से 23 जून के बीच आंधी-तूफान और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, महाराष्ट्र के विदर्भ में

19 से 23 जून तक ऐसा ही मौसम रहने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ में भी 19 से 23 जून के बीच आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने की आशंका है। मौसम का यह बदलाव सिर्फ मध्य भारत तक सीमित नहीं। तमिलनाडु और पुडुचेरी में 19 से 21 जून के बीच कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है, जबकि केरल में भी 19 से 23 जून के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, बंगाल के कोलकाता, सिलिगुड़ी और दार्जिलिंग जिलों में शनिवार को भी भारी बारिश हुई। दार्जिलिंग में बालासन नदी उफान पर आ गई। इससे नदी पर ह्यूम पाइप से बना पुल टूट कर बह गया।

12 शांति समझौतों और 10 हजार उग्रवादियों के आत्मसमर्पण से बदली पूर्वोत्तर की तस्वीर - सीएम सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि पिछले एक दशक में पूर्वोत्तर भारत की विकास यात्रा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अब उग्रवाद और अस्थिरता की पहचान से निकलकर शांति, आधारभूत ढांचे के विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक प्रगति के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर में स्थापित हुए शांतिपूर्ण माहौल का सबसे बड़ा लाभ असम को मिला है, जिससे राज्य में विकास कार्यों और निवेश को नई गति मिली है। उन्होंने लिखा, 'पिछले कुछ वर्षों में पूर्वोत्तर की विकास गाथा उग्रवाद और अस्थिरता से निकलकर इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास की ओर बढ़ी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com